1128

क्रमांक.....

हिंदी विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

[विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 'विशेष सहायता कार्यक्रम' (SAP) के अंतर्गत विभागीय शोध योजना (DRS) प्राप्त]

विवरणिका

2015-2016

(कक्ष संख्या 14, कला संकाय)

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली-110007

दूरभाष :011-27666628, 011-27667725/1294

फैक्स : 011-27666628 ई-मेल head@hindi.du.ac.in

मूल्य : 75/- (पचहत्तर रुपये मात्र)

सेमेस्टर : I

इस सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र होंगे। इन पर्चों में हिंदी गद्य के अलग-अलग रूपों का विस्तृत और गहन अध्ययन अपेक्षित है। इस बात का ख़याल रखा गया है कि शिक्षक और छात्रों की सहभागिता की गुंजाइश कक्षा में बनी रहे और प्रत्येक शिक्षक को इसका अवसर हो कि प्रस्तावित ढांचे में वह प्रयोग कर सके। इस बात की अपेक्षा भी है कि चारों पर्चों में अन्तस्संबंध को लेकर शिक्षक सचेत रहें और शिक्षण-पद्धति में सहकारी रवैये को अपनाने की कोशिश करें। इस पर जोर है कि छात्र रचना और पाठ को केंद्र में रखें, न कि मात्र सैद्धांतिक चर्चा में उलझे रहें।

प्रश्नपत्र : 101 : उपन्यास

- प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यासकार (उदाहरण के लिए श्रीनिवासदास, ब्रजनंदन सहाय ब्रजवल्लभ, ठाकुर जगमोहन सिंह)
- प्रेमचंद
- जैनेन्द्र, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', यशपाल, भगवतीचरण वर्मा, फणीश्वरनाथ रेणु, अमृतलाल नागर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, उपेन्द्रनाथ अश्क
- मनोहरश्याम जोशी, उषा प्रियंवदा, कृष्णा सोबती, असगर वजाहत, विनोदकुमार शुक्ल

विचारणीय बिन्दु

- प्रस्तावित उपन्यासकारों की कृतियों में से प्रत्येक सत्र में नया चुनाव करने की स्वतंत्रता संबंधित शिक्षक को है। सत्रारंभ में चुने हुए उपन्यासों की घोषणा कर दी जाएगी। संबंधित पाठ्य-सामग्री भी शिक्षक छात्रों को उपलब्ध कराए, इसकी व्यवस्था की जाएगी। उपन्यास के विकास-क्रम, उपन्यास को लेकर हिंदी में विकसित आलोचना-दृष्टियाँ, भारत और भारत के बाहर उपन्यास की आलोचना-दृष्टियों का तुलनात्मक अध्ययन भी साथ ही अपेक्षित है।
- इस प्रश्नपत्र में आठ से दस उपन्यास चुने जा सकते हैं और हर बार चयन नया हो सकता है।
- भारतीय आख्यान परंपरा और उपन्यास (लोककथा, आख्यान, किस्सागोई का संदर्भ)
- भारतीय उपन्यास के और हिंदी उपन्यास

- विश्व उपन्यास लेखन और हिंदी उपन्यास
- भारतीय उपन्यास-चिंतन
- हिंदी में उपन्यास चिंतन
- उपन्यास और राष्ट्र
- उपन्यास और मध्यवर्ग
- व्यक्ति ओर उपन्यास
- गाँव, शहर और उपन्यास

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
2. आज का हिंदी उपन्यास : इंद्रनाथ मदान
3. उपन्यास का सिद्धांत : जॉर्ज लुकाच
4. हिंदी उपन्यास का विकास : मधुरेश
5. हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
6. उपन्यास : स्वरूप और संवेदना : राजेंद्र यादव
7. उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोशी
8. उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा : परमानंद श्रीवास्तव
9. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
10. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
11. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख : इंद्रनाथ मदान
12. प्रेमचंद : एक साहित्य विवेचन : नंददुलारे वाजपेयी
13. प्रेमचंद और गोर्की : शचिरानी गुर्टू
14. जैनेंद्र के उपन्यास : मर्म की तलाश : चंद्रकांत बांदिवडेकर
15. जैनेंद्र के विचार : सं. प्रभाकर माचवे
16. जैनेंद्र की आवाज़ : अशोक वाजपेयी
17. मैला आँचल की रचना-प्रक्रिया : देवेश ठाकुर
18. आँचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथ रेणु : सुभाष कुमार
19. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
20. साहित्य का समाजशास्त्र : नगेंद्र
21. हिंदी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ : शशिभूषण सिंघल
22. हिंदी उपन्यास के पदचिह्न : सं. मनमोहन सहगल
23. भारतीय स्वातंत्र्य संग्राम और हिंदी उपन्यास : सीताराम झा 'श्याम'

24. हिंदी उपन्यास (1950 के बाद) : सं. नित्यानंद तिवारी
25. आधुनिक हिंदी उपन्यास : सं. नरेंद्र मोहन
26. परंपरा और आधुनिकीकरण : कमलेश अवस्थी

.....

प्रश्नपत्र : 102 : हिंदी कहानी

- बंग महिला, चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी',
- प्रेमचंद, पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र', जयशंकर प्रसाद, जैनेन्द्र, अज्ञेय,
- फणीश्वरनाथ रेणु, उषा प्रियवंदा, मन्नू भंडारी, अमरकांत, निर्मल वर्मा, भीष्म साहनी, मोहन राकेश, कमलेश्वर, हरिशंकर परसाई, शेखर जोशी, राजेन्द्र यादव
- काशीनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, ज्ञानरंजन, दूधनाथ सिंह, उदयप्रकाश, ओमप्रकाश वाल्मीकि

विचारणीय बिंदु

- शिक्षण के लिए विचारणीय बिंदु उदाहरण के लिए इस प्रकार हो सकते हैं : शिक्षक सप्रयास से भी इनमें परिवर्तन कर सकते हैं।
- प्रस्तावित कहानीकारों की रचनाओं का चयन प्रत्येक सत्रारंभ में संबंधित शिक्षक के द्वारा किया जाएगा और छात्रों को ये रचनाएँ उपलब्ध कराई जाएँगी। साथ ही सहायक पाठ्य सामग्री भी शिक्षक के द्वारा सुझाई जाएगी। उपन्यासवाले प्रश्नपत्र की तरह ही इसमें भी हिंदी कहानी को भारतीय और भारत के बाहर की भाषाओं में कहानी-लेखन को भारतीय और भारत के बाहर की भाषाओं में कहानी-लेखन के परिप्रेक्ष्य में रखकर तुलनात्मक दृष्टि से पढ़ने की अपेक्षा है। कहानी की समीक्षा, कहानी के सिद्धांत और शास्त्र पर रचनाओं के संदर्भ में विचार किया जाएगा। इस प्रश्नपत्र में पंद्रह कहानियाँ चुनी जा सकती हैं और हर बार अलग-अलग कहानियों का चुनाव किया जा सकता है।
- कथा, किस्सा और कहानी
- लोककथा और कहानी
- 'शॉर्ट स्टोरी' और कहानी

- उर्दू कहानी और हिंदी कहानी
- कहानी और स्त्री स्वर
- कहानी और दलित स्वर
- कहानी का विश्व परिदृश्य और हिंदी कहानी
- कहानी और राजनीति
- गाँव, शहर और कहानी
- प्रेमचंद पूर्व
- प्रेमचंद और उसके समकालीन
- प्रेमचंदोत्तर कथालेखन
- समकालीन कहानी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी कहानी : एक अंतरंग पहचान : रामदरश मिश्र
2. कहानी : प्रवृत्ति और विश्लेषण : सुरेंद्र उपाध्याय
3. एक दुनिया समानांतर : राजेंद्र यादव
4. नई कहानी : पुनर्विचार : मधुरेश
5. नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी
6. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी
7. नई कहानी की भूमिका : कमलेश्वर
8. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
9. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
10. कला का जोख़िम : निर्मल वर्मा
11. प्रेमचंद : चिंतन और कला : सं. इंद्रनाथ मदान
12. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
13. प्रेमचंद का कथा-संसार : नरेंद्र मोहन
14. समकालीन कहानी की पहचान : नरेंद्र मोहन

प्रश्नपत्र : 103 : अन्य गद्य-रूप

- **निबंध** : भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामावतार शर्मा, बालकृष्ण भट्ट, बालमुकुंद गुप्त, महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, शिवपूजन सहाय, निराला, प्रसाद, हजारीप्रसाद द्विवेदी, विद्यानिवास मिश्र, पी. सी. जोशी, कुबेरनाथ राय

- **आत्मकथा एवं जीवनी** : पांडेय बेचनशर्मा उग्र, हरिवंशराय बच्चन, प्रभा खेतान, ओमप्रकाश वाल्मीकि, हंस का आत्मकथांक, राजेन्द्र प्रसाद, मोहनदास नैमिशराय, चंद्रकिरण सौनरिक्सा
  कोई दो जीवनियाँ (उदाहरण के लिए 'निराला की साहित्य साधना', रामविलास शर्मा, प्रेमचंद घर में : शिवरानी देवी, आवारा मसीहा, विष्णु प्रभाकर, कलम का सिपाही, अमृतराय)

- **संस्मरण एवं रिपोर्ताज** : महादेवी वर्मा, रामवृक्ष बेनीपुरी, काशीनाथ सिंह, सआदत हसन मंटो, रवीन्द्र कालिया, जानकीवल्लभ शास्त्री, फणीश्वरनाथ रेणु, अज्ञेय, धर्मवीर भारती

- **यात्रा वृत्तांत, पत्र साहित्य,** राहुल सांकृत्यायन, अज्ञेय, निर्मल वर्मा, कृष्णनाथ, मोहन राकेश, प्रेमचंद, मुक्तिबोध, नेमिचंद्र जैन, नागार्जुन, रामविलास शर्मा, केदारनाथ अग्रवाल, जानकीवल्लभ शास्त्री
  पत्रकारिता के गद्य के नमूने : दैनिक पत्र-पत्रिकाओं में शीर्ष संपादकों, लेखकों के प्रकाशित लेख इत्यादि।

विचारणीय बिंदु

- निबंध और राजनीति
- राष्ट्रवाद, समाज सुधार और निबंध
- आधुनिकता और आत्मकथा
- गद्य-रूपों का विकास

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
3. निराला की साहित्य-साधना (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह

5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि
6. दलित-विमर्श की भूमिका : कंवल भारती
7. नारीवादी राजनीति : संघर्ष और मुद्दे : सं. साधना आर्य, जिनी लोकनीता, निवेदिता मेनन
8. स्त्री उपेक्षिता (The Second Sex) : सिमोन दि बाउवार (अनु. प्रभा खेतान)
9. प्रेमचंद की विरासत तथा अन्य निबंध : राजेंद्र यादव
10. आधुनिकता के आइने में दलित : सं. अभय कुमार दूबे
11. स्त्री पराधीनता : जॉन. स्टुअर्ट मिल (अनु. प्रगति सक्सेना)
12. परिवार, निजी संपत्ति और राज्य की उत्पत्ति : फ्रे. ऐंगल्स
13. कवि मन : अज्ञेय
14. मंटो : एक बदनाम लेखक : विनोद भट्ट
15. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा : नंदकिशोर आचार्य
16. निर्मल वर्मा : सं. अशोक वाजपेयी
17. निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद : सुधीश पचौरी
18. मंटो : मेरा दुश्मन : उपेंद्रनाथ अश्क
19. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
20. काव्यकला और अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद
21. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध : महादेवी वर्मा
22. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल

.....

प्रश्नपत्र : 104 : नाटक

- भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जयशंकर प्रसाद, रामवृक्ष बेनीपुरी, उदयशंकर भट्ट, हरिकृष्ण प्रेमी
- पृथ्वीराज कपूर, राधेश्याम कथावाचक, आगाहश्र कश्मीरी, बेताब, भिखारी ठाकुर
- जगदीशचंद्र माथुर, लक्ष्मीनारायण लाल, लक्ष्मीनारायण मिश्र, मोहन राकेश, धर्मवीर भारती, शंकर शेष, सुरेन्द्र वर्मा, भीष्म साहनी, नंदकिशोर आचार्य, प्रभाकर श्रोत्रिय, त्रिपुरारी शर्मा, मीरा कांत

विचारणीय बिंदु

- साहित्यिक रूप के अलावा प्रदर्शनकारी कला का अभिन्न अंग होने के कारण नाटक की विशेष स्थिति को ध्यान में रखते हुए शिक्षण पद्धति विकसित की जाएगी। प्रश्नपत्र का उद्देश्य हिंदी नाटक का गहराई से परिचय देना है। बांगला नाट्य-लेखन और विदेशी भाषाओं के उन नाटकों से परिचय की अपेक्षा भी होगी जिनका प्रभाव हिंदी के नाट्यलेखन पर पड़ा है। भारतीय तथा अन्य भाषाओं के अनूदित नाटकों में से, उदाहरणतः इप्सन, शेक्सपीयर आदि के नाटक और 'खामोश! अदालत जारी है', 'तुगलक', 'ययाति' आदि का चुनाव शिक्षक कर सकते हैं जिससे छात्र को एक बड़ा परिप्रेक्ष्य मिल सके। नाटक के सिद्धांत और शास्त्र के विकास की भी तुलनात्मक दृष्टि से चर्चा अपेक्षित होगी।
- भारतेंदु और उसके समकालीन
- प्रसाद और उनके समकालीन
- प्रसादोत्तर नाट्यालोचन
- समकालीन नाट्यलोचन
- रंगमंच और नाटक का संबंध
- साहित्यिक विधा के रूप में नाटक
- नाटक और राजनीति
- उपनिवेशवाद और हिंदी नाटक
- राष्ट्र और हिंदी नाटक
- यूरोपीय नाटक से संबंध
- बंगला, मराठी नाट्यलेखन और हिंदी लेखन
- संस्कृत नाटक और हिंदी नाट्य लेखन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा

6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिय
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ. नगेंद्र
15. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी

सेमेस्टर : II

प्रश्नपत्र : 201 : आलोचना/ सिद्धांत और शास्त्र

- रस, अलंकार, ध्वनि, वक्रोक्ति
- काव्यास्वाद और साधारणीकरण; काव्य : हेतु, लक्षण, प्रयोजन; भरत का नाट्यशास्त्र
- प्लेटो, अरस्तू, लोंजाइनस, ड्राइडेन, वर्डस्वर्थ,
- टी. एस. इलियट, आई॰ए॰ रिचर्ड्स, जार्ज लुकाच, अंतोनियो ग्राम्शी, एफ.आर. लीविस, रेमंड विलियम्स, मिखाइल बाख्तिन, शास्त्रवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, यथार्थवाद, संरचनावाद, विखंडनवाद

विचारणीय बिंदु

- इस प्रश्नपत्र में भारतीय और पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांतों और शास्त्र का अध्ययन किया जाना है। शिक्षक से यह अपेक्षा है कि वह सत्रारंभ में ऊपर उल्लिखित बिंदुओं से संबंधित प्रामाणिक पाठ और सहायक पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराए। जोर सिद्धांतकारों के अपने पाठों पर है। छात्र उन्हें अवश्य पढ़ें। पाश्चात्य काव्यशास्त्र हिंदी में किस प्रकार प्रासंगिक विचार रहा है, इसकी पड़ताल की जाएगी। उसी प्रकार संस्कृत काव्यशास्त्र की भी समीक्षा की अपेक्षा है।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी
6. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
8. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ
9. आस्था और सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
10. नई कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
11. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध

12. सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
13. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
14. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
15. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
16. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह
17. छायावाद : नामवर सिंह
18. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
19. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
20. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
21. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
22. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
23. आलोचना की समकालीनता : सं. परमानंद श्रीवास्तव
24. हिंदी आलोचना के बीजशब्द : बच्चन सिंह
25. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
26. विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
27. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
28. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले
29. कविता से साक्षात्कार : मलयज
30. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
31. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
32. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र
33. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
34. Hindi Nationalism : Alok Rai
35. One Language Two Scripts : Cristopher King
36. Nation and its Fragments : Parth Chatterjee

प्रश्नपत्र : 202 : हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

- साहित्य इतिहास और सामाजिक इतिहास का संबंध, स्मृति और इतिहास, भारतीय और पाश्चात्य साहित्येतिहास दृष्टि, साहित्येतिहास की सामग्री, चयन का प्रश्न, विचारधारा, तकनीक और साहित्यिक रूप
- आरंभिक इतिहासलेखन और पद्धतियाँ, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास,
- शुक्लोत्तर इतिहासलेखन (हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा)

- शास्त्रीय दृष्टि, मानववादी दृष्टि, स्वच्छंदतावादी दृष्टि, मार्क्सवादी दृष्टि, नव्येतिहासवादी दृष्टि, हिंदी भाषा का इतिहास, प्राकृत, अपभ्रंश और हिंदी, मध्यकाल में हिंदी का परिसर, ब्रजभाषा, खड़ी बोली, हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
8. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
9. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
10. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
11. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
12. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
13. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
14. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
15. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास (खण्ड 1 से 17) : नागरीप्रचारिणी सभा द्वारा प्रकाशित
17. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेंद्र
18. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास-परंपरा : रामविलास शर्मा
19. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
20. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
21. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
22. हिंदी साहित्य : बीसवीं सदी : नंददुलारे वाजपेयी
23. परंपरा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
24. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
25. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा
26. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini

प्रश्नपत्र : 203 : हिंदी की आलोचना दृष्टियाँ

- शुक्लपूर्व आलोचना : भारतेंदु, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा, शांतिप्रिय द्विवेदी
- रामचंद्र शुक्ल
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
  विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  नंददुलारे वाजपेयी
  नलिन विलोचन शर्मा
  नगेन्द्र
- रामविलास शर्मा
  नामवर सिंह
  रचनाकार आलोचक : प्रेमचंद, निराला, प्रसाद, पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही, निर्मल वर्मा

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. चिंतामणि (भाग 1 व 2) : रामचंद्र शुक्ल
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
3. आस्था और सौंदर्य (भाग 1 व 2) : रामविलास शर्मा
4. नयी कविता का आत्मसंघर्ष व अन्य निबंध : मुक्तिबोध
5. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
6. सर्जना और संदर्भ : अज्ञेय
7. रचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
8. आलोचना और आलोचना : देवीशंकर अवस्थी
9. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
10. छायावाद : नामवर सिंह
11. वाद-विवाद-संवाद : नामवर सिंह
12. आलोचक के मुख से : नामवर सिंह
13. कहानी : नयी कहानी : नामवर सिंह
14. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
15. हिंदी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह

16. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
17. विचार का अनंत : पुरुषोत्तम अग्रवाल
18. आलोचना से आगे : सुधीश पचौरी
19. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले
20. कविता से साक्षात्कार : मलयज
21. छठवाँ दशक : विजयदेव नारायण साही
22. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
23. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिव कुमार मिश्र
24. रस्साकशी : वीर भारत तलवार
25. Nation and its Fragments : Parth Chatterjee
26. Opressive Present : Sudheer Chandra
27. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
28. One Language Two Nations – Christopher King.

.....

प्रश्नपत्र : 204* : भाषा परिचय

- भाषा की प्रकृति और संरचना : भाषा और संप्रेषण; मानवेतर संप्रेषण और मानव-संप्रेषण भाषा-व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (परोल); भाषा के घटक : ध्वनि, शब्द (रूप), वाक्य, प्रोक्ति (संवाद), बहुभाषिकता; सार्वभौमिक व्याकरण

- भाषा और समाज : भाषा और समाज का अंतस्संबंध, भाषाई विविधता और सामाजिक संदर्भ, भाषा और जेंडर, भाषा के प्रकार्य, भाषा-विकल्पन, भाषा और जनसंचार माध्यम, सामाजिक संघर्ष और भाषा

- (क) भाषा और मस्तिष्क :
  भाषा और संज्ञान
  भाषा-अर्जन
  भाषा अधिगम
  भाषा-विकास : दैहिक आधार
  (ख) भाषा और साहित्य
  भाषा और व्यक्ति
  भाषा की सर्जनात्मकता
  भाषा-संरचना के विभिन्न स्तरण

- समाज-भाषाई इकाई के रूप में भारत
  भाषा और सामाजिक अस्मिता, भारतीय बहुभाषिकता, भारत की भाषाएँ, भारत के भाषा-परिवार, भाषा-नियोजन, द्विभाषिक स्थिति (कोड-मिश्रण और कोड-परिवर्तन)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
5. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
10. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
11. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
12. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
14. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा और बोली : एक संवाद : आर.के. अग्निहोत्री
16. भाषा बहुभाषिकता और समाज : आर.के. अग्निहोत्री

16. One Language Two Scripts : Cristopher King
17. Hindi Nationalism : Alok Rai
18. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
19. Colloquial Hindi : The Complete Course for Beginners : Tej K. Bhatia
20. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
21. Modern Hindi Grammar : Omkar N. Koul
22. Outline of Hindi Grammar : R.S. McGregor
23. Semantics : F.R. Palmer
24. Sociolinguistic Theory : J.K. Chambers
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
26. Applied Linguistic : R.N. Srivastava
27. Linguistics : An introduction to Language and Communication : A. Akmajian,R.A. Demers, A.K. Farmer, R.M. Harnish

सेमेस्टर : III

प्रश्नपत्र : 301 : कविता

पूर्वाधुनिक आख्यानमूलक काव्य

- बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो, संदेशरासक
- पदमावत
- रामचरितमानस
- रामचंद्रिका, गंगावतरण

विचारणीय बिंदु

- आख्यान और कविता
- कविता में प्रबंधात्मकता के रूप
- प्रबंधात्मकता और समाज
- आख्यानमूलक काव्य में विविधता
- युद्ध और काव्य
- पुराण, मिथक, इतिहास और आख्यानमूलक काव्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- हिंदी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
- आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका -- डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
- राजस्थानी भाषा और साहित्य -- मोतीलाल मेनारिया
- पदमावत : माताप्रसाद गुप्त
- तुलसी काव्य मीमांसा -- डॉ. उदयभानु सिंह

प्रश्नपत्र : 302 : आधुनिक आख्यानमूलक काव्य

- प्रियप्रवास, साकेत
- उर्वशी
- कामायनी
- राम की शक्ति पूजा, अंधेरे में, आत्मजयी

विचारणीय बिंदु

- हिंदी कविता में आख्यानमूलक या प्रबंधात्मक काव्यरचना की परंपरा से गहन परिचय इन पर्चों का लक्ष्य है। कविता में प्रबंधात्मकता के उदाहरण अन्य भाषाओं से लिये जाने अपेक्षित हैं। परंपरानुसार काव्यखंडों में विभाजित न करके काव्यरूप की परंपरा में विविधता की पहचान और इसमें आने वाले परिवर्तन की विशिष्टता की खोज करने के उद्देश्य से रचनाओं का चयन किया गया है। इनमें से चुनाव करने की आजादी शिक्षक को रहेगी।
- खड़ी बोली की कविता में आख्यानपरकता
- आधुनिकता और आख्यान काव्य
- व्यक्ति और प्रबंधकाव्य
- राजनीति और काव्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अतीत का हंस – प्रभाकर श्रोत्रिय
- साकेत : एक अध्ययन -- डॉ. नगेन्द्र
- उर्वशी : कल्पना पत्रिका की बहस
- कामायनी : एक पुनर्विचार -- मुक्तिबोध
- कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ -- डॉ. नगेन्द्र
- छायावाद -- डॉ. नामवर सिंह

प्रश्नपत्र : 303 : प्रगीत और मुक्तक

- प्रगीत और मुक्तक काव्य : विद्यापति, कबीर, सूरदास, मीराबाई,
- घनानंद, नंददास, दादू, रहीम, ग्वाल, वृंद, बिहारी, जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
- भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', हरिवंशराय बच्चन, नरेन्द्र शर्मा, गिरिजाकुमार माथुर, जानकीवल्लभ शास्त्री,
- वीरेन्द्रकुमार मिश्र, नरेश मेहता, नीरज, रमेश रंजक, दुष्यंत कुमार, मीर, गालिब, नजीर अकबराबादी

विचारणीय बिंदु

- प्रबंधात्मकता की तरह प्रगीतात्मकता भी हर काल में कविता का स्वभाव रही है। कविता के इस रूप की विविधता को इतिहासक्रम में समझने का प्रयास और अलग-अलग परिस्थितियों में प्रगीतात्मकता की प्रकृति में मिलनेवाली विशिष्टता का अध्ययन यहां किया जाएगा। शृंगार, भक्ति, रीति, राष्ट्रप्रेम, समाज का चित्रण जैसी पारंपरिक सरणियों से निकलकर कविता के अपने रूप की विकासयात्रा की समझ पैदा करना इस प्रश्नपत्र का मकसद है। अन्य पर्चों की तरह रचनाओं के चुनाव में और पाठ्यसामग्री के निर्धारण में शिक्षक को स्वतंत्रता है। इसका ध्यान रखा जाएगा कि चयन में विविधता हो और वह प्रत्येक प्रवृत्ति का प्रतिनिधित्व करे।
- आख्यानपरक काव्य और प्रगीत काव्य
- प्रगीतपरक और छंदात्मकता
- प्रगीत और समाज
- प्रगीत और व्यक्ति
- प्रगीत और प्रकृति

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- विद्यापति पदावली -- संपा. शशिनाथ झा, दिनेश्वरलाल आनंद
- कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- पद्मावत -- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- भ्रमरगीत -- संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- मीराबाई -- परशुराम चतुर्वेदी

- मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियाँ -- प्रो. सावित्री सिन्हा
- घनानंद -- संपा. ब्रजलाल
- सनेह को मारग -- हब्ले बंघा
- रहीम ग्रंथावली
- हिंदी सूफी काव्य की भूमिका -- रा.पू. तिवारी
- भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा -- परशुराम चतुर्वेदी

.....

प्रश्नपत्र : 304* : छंदमुक्त काव्य

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मुक्तिबोध
- केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, त्रिलोचन, शमशेर बहादुर सिंह
- रघुवीर सहाय, कुँवरनारायण, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, धूमिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, श्रीकांत वर्मा
- विनोदकुमार शुक्ल, आलोक धन्वा, विष्णु खरे, ज्ञानेन्द्रपति, अरुण कमल, राजेश जोशी, अनामिका, गगन गिल, जोश मलीहाबादी, फैज़ अहमद फैज़

विचारणीय बिंदु

- छंदमुक्त कविता बीसवीं सदी की विशेषता है। अन्य काव्य-रूपों से यह इस तरह विशिष्ट है कि यह प्राय: खड़ी बोली में ही है। इसलिए इसके पहले जहाँ अपभ्रंश, अवधी, ब्रज आदि की कविताएँ भी हैं, इस प्रश्नपत्र में वे नहीं हैं। कविताओं के चयन में विविधता को लेकर ध्यान रखा जाएगा। यह दायित्व संबंधित शिक्षक का होगा कि वह सत्रारंभ में चुनी हुई रचनाएँ और सहायक पाठ्यसामग्री छात्रों को उपलब्ध कराएँ।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- निराला की साहित्य साधना -- डॉ. रामविलास शर्मा
- अज्ञेय की काव्य तितीर्षा -- डॉ. नंदकिशोर आचार्य
- मुक्तिबोध रचनावली -- संपा. नेमिचंद जैन
- रघुवीरसहाय की कविता -- सुरेश शर्मा
- कुँवरनारायण : पूर्वग्रह के अंक

.....

सेमेस्टर : IV

(A) विकल्प : रंगमंच

यह विकल्प नाटक के साहित्यिक रूप के अध्ययन से आगे उसके प्रदर्शनकारी रूप के विशेष अध्ययन में दिलचस्पी रखनेवाले छात्रों के लिए है। चूँकि हिंदी रंगमंच में हिंदी के अलावा संस्कृत, मराठी, कन्नड़, मणिपुरी और यूरोपीय, अफ्रीकी तथा अन्य भाषाओं के नाटकों के मंचन ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह प्रयास किया जाएगा कि इस विकल्प के अंतर्गत छात्र हिंदी रंगमंच की इस विशिष्टता का अध्ययन करें। हिंदी रंगमंच और हिंदी नाटक समानार्थी नहीं हैं, हिंदी रंगमंच का विस्तार कहीं अधिक है। इसी कारण वह सैद्धांतिक स्तर पर एक ओर जहाँ भरत के नाट्यशास्त्र से प्रभावित है तो दूसरी ओर यूरोपीय नाट्य सिद्धांतों से भी। शिक्षक इसका प्रयास करेंगे कि नाटकों के प्रदर्शन को भी कक्षा के साथ जोड़े।

प्रश्नपत्र : 4011 : सिद्धांत और इतिहास

- संस्कृत, और पारंपरिक रंगमंच का स्वरूप
- भरत, स्तानस्लावस्की, बर्तोल्त ब्रेख्त के अभिनय-सिद्धांत
- भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद और मोहन राकेश का रंगमंच संबंधी चिंतन
- हिंदी रंगमंच का इतिहास (अव्यावसायिक, व्यावसायिक, पेशेवर, शौकिया, पारसी रंगमंच, पृथ्वी थिएटर्स, इप्टा, आजादी के बाद का रंगमंच, नुक्कड़ नाटक, रंग-संस्थाएँ)
- प्रमुख पारंपरिक नाट्य-रूप (रामलीला, रास, स्वांग, नौटंकी, ख्याल आदि)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. नाट्यशास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी
2. नाट्यशास्त्र : रेवा प्रसाद द्विवेदी
3. रंगमंच : बलवंत गार्गी
4. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
5. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
6. रंगमंच : शैल्डान चेनी
7. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
8. पारसी हिंदी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
9. हिंदी रंगमंच का इतिहास : चंद्रलाल दूबे

10. नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक : हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच : जयदेव तनेजा
12. रंगमंच और नाटक की भूमिका : लक्ष्मीनारायण लाल
13. नाटक और रंगमंच : सीताराम झा 'श्याम'
14. भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
15. हिंदी नाट्यकारों के नाट्य सिद्धांत : निर्मल हेमन्त
16. ग्रीक नाट्य-कला कोश : कमल नसीम
17. स्तानिस्लाव्स्की : चरित्र की रचना-प्रक्रिया : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
18. स्तानिस्लाव्स्की : अभिनेता की तैयारी : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
19. स्तानिस्लाव्स्की : भूमिका और संरचना : डॉ. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
20. हिंदी नाटक और रंगमंच : ब्रेख्त का प्रभाव : सुरेश वशिष्ठ
21. खड़िया का घेरा (भूमिका) : सं. कमलेश्वर
22. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
23. An Introduction to Dramatic Theory : Dr. A. Nicoll
24. The Art of Drama : Ronald Peacock
25. The Art of Dramatist : J.B. Priestley
26. The European theory of Drama : Barret H. Clark
27. The Theatre of Dramatic Theory : Allardyce Nicoll

.....

प्रश्नपत्र : 4012 : पाठ और प्रदर्शन

- प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
- प्रस्तुति आलेख और नाटक
- नाटक की व्याख्या, नाट्य प्रदर्शन के स्वरूप और प्रदर्शन शैली का निर्धारण
- निर्देशन, अभिनय, पार्श्वकर्म
- रंगसंगीत
- पाठ और प्रदर्शन की दृष्टि से किसी एक रचना का विशेष अध्ययन (उदाहरण के लिए, अंधेरनगरी, अभिज्ञान शांकुतलम्, आषाढ़ का एक दिन, आधे-अधूरे, स्कंदगुप्त)

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत की हिंदी नाट्य संस्थाएँ एवं नाट्यशालाएँ : विश्वनाथ शर्मा
2. रंगमंच : सर्वदानंद
3. हिंदी रंगमंच और पंडित नारायण प्रसाद बेताब : विद्यावती लक्ष्मण राव

4. रंगकर्म : वीरेंद्र नारायण
5. नाट्य प्रस्तुति : राजहंस
6. रंग-स्थापत्य कुछ टिप्पणियाँ : एच.वी. शर्मा
7. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेंद्र प्रसाद दीक्षित
8. पारसी थिएटर : उद्‌भव और विकास : सोमनाथ गुप्त
9. रंगमंच : बलवंत गार्गी
10. रंगदर्शन : नेमिचंद जैन
11. रंगमंच : देखना और सुनना : लक्ष्मीनारायण लाल
12. What is Theatre ? : Eric Bentley

.....

प्रश्नपत्र : 4013 : भारतीय भाषाओं का रंगमंच
(रचनाओं के माध्यम से)

- लोकरंगरूप और आधुनिक रंगमंच का संबंध
- पाश्चात्य रंगमंच और भारतीय रंगमंच का संबंध
- भारतीय रंगमंच की अवधारणा
- रचनाएँ : अंधेर नगरी (भारतेंदु हरिश्चंद्र), चंद्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद), एवम् इन्द्रजित (बादल सरकार), तुगलक, ययाति (गिरीश कर्नाड), अंधा युग (धर्मवीर भारती), कोणार्क (जगदीशचंद्र माथुर), जिस लाहौर नहीं देख्या (असगर वजाहत), खामोश! अदालत जारी है (विजय तेंदुलकर) आदि

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारतीय रंगकोष : सं. प्रतिभा अग्रवाल
2. रंगयात्रा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा प्रकाशित
3. रंग प्रसंग पत्रिका : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा नियमित प्रकाशन
4. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी
5. भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
6. नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार : जयदेव तनेजा
7. नाट्यशास्त्र विश्वकोष : राधावल्लभ त्रिपाठी
8. हे सामाजिक : सुरेश अवस्थी

.....

प्रश्नपत्र : 4014 : एक नाटककार का विशिष्ट अध्ययन या प्रस्तुति-आधारित परियोजना कार्य

.....

(B) विकल्प : संस्कृतिमूलक अध्ययन

प्रश्नपत्र : 4021 : संस्कृति : अवधारणाएँ और विषय

- भारतीय अवधारणाएँ ,धर्म और संस्कृति, जाति और संस्कृति
- प्राच्यवादी दृष्टि, उत्तर औपनिवेशिक दृष्टियाँ
- भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति के रूप (फिल्में, पॉपसंगीत, खेल, समारोह, फैशन आदि)
- उपभोक्ता संस्कृति के रूप और अवधारणा

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- संस्कृति के चार अध्याय -- रामधारी सिंह दिनकर
- For Marx : Louis Althuser
- In Theory : Ajaz Ahmed
- The Illusions of End : Jean Baudrillard
- Of Gramatology : Jacques Derrida
- Post Colonialism : Leela Gandhi
- Nation and Narration : Ed. H.J. Bhabha
- Media and Cultural Studies keyworks – Ed. Meenakshi Gigi Durhan & Douglas Kellner
- Feminist Review Journal : on line
- Cultural Theory and Popular Culture : John Stroey
- Culture & Society : Raymond Williams
- Journal of Consumer Culture : on line
- Journal of Popular Culture : on line

.....

प्रश्नपत्र : 4022 : अध्ययन : पद्धतियाँ

- संरचनावाद और चिह्नशास्त्र, सास्यूर, लेवीस्त्रास, रोलांबार्थ, अंबर्तो इको,
- उत्तरसंरचनावाद - देरिदा, लाकां, फूको

- मार्क्सवाद : लूई अल्थुसर, जॉन फिस्के, हैबरमास
- स्त्रीत्ववादी चिंतन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Literatry Theory today : Pramod K. Nayyer
- Souli cs of Televsion Johm. Fr.
- Towards a Semotic inquarty into TV Message : Cumber to Eco
- Writing Degree Zero Raland Barthes
- The Diologic Imagination : Mikkaul Bakhin

.....

प्रश्नपत्र : 4023 : पॉपूलर संस्कृति के रूप

(पत्र-पत्रिकाएँ, फिल्में, टीवी, रेडियो, इंटरनेट आदि पर उपलब्ध रूप)

- राष्ट्र, ग्राम, छोटे नगर, बाजार के स्पेस
- अस्मिता : जागरण, रूपायन, अभिव्यक्ति के रूप : जेंडर आधारित, स्मृति, जातिमूलक, धर्ममूलक
- वैधता के प्रश्न
- वर्चस्व और अस्वीकार के मुद्दे, विमर्श का निर्माण

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Cultural Theory and Popular Culture : John Stroey
- Culture & Society : Rasmound Willions
- Cultural Studies – Chris Barker
- Cyltural Studies and Discours Analysis – Chris Barker and D. Galasini.
- Journal of Consumer Culture : on line
- Journal of Popular Culture : on line

.....

प्रश्नपत्र : 4024 : परियोजना कार्य

- किसी एक पत्र-पत्रिका, फिल्म, रेडियो, टी.वी. कार्यक्रम या इंटरनेट सामग्री को केंद्र बनाकर परियोजना कार्य ।

.....

(C) विकल्प : अनुवाद अध्ययन

प्रश्नपत्र - 4031 : अनुवाद के प्रकार्य

- अनुवाद की सामाजिक, सांस्कृतिक भूमिका, अनुवाद-क्रियाएँ और महत्वपूर्ण अवधारणाएँ
- भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, अनूदित सामग्री की समीक्षा
- अंतरभाषीय संचार के रूप में उपलब्ध रूप, अनूदित सामग्री की समीक्षा, द्विभाषिकता, बहुभाषिकता और अनुवाद
- मीडिया क्षेत्र में विशेषीकृत, साहित्यिक अनुवाद व्यापार क्षेत्र में

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अनुवाद विज्ञान -- डॉ. नगेन्द्र
- काव्यानुवाद सिद्धांत समस्याएँ -
- अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत सिद्धि : अवधेश मोहन गुप्त
- अनुवाद विज्ञान -- गार्गी गुप्ता

.....

प्रश्नपत्र : 4032 : अनुवाद अध्ययन इतिहास

- प्राचीन परंपरा, इतिहास और पृष्ठभूमि, अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद-सिद्धांत, अनुवाद की राजनीति,
- अनुवाद के आदर्श रूप, प्रमुख बहसें, अनुवाद : सिद्धांत और आधारभूत विषय
- आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म; अनुवाद प्रक्रिया, भाषिक विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, अनुवाद, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप;
- दुभाषिया कर्म, आशु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कंप्यूटर अनुवाद, अनुवाद-योग्य पाठ के विश्लेषण के आधार और पाठों का श्रेणी विभाजन,

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. अनुवाद कला, डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर
2. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे.सी. कैटफोर्ड
3. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं अनुप्रयोग : डॉ. नगेंद्र

4. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
5. अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग : जी. गोपीनाथन

प्रश्नपत्र : 4033 : अनुवाद सिद्धांत

- अनुवाद के औजार, पुनरीक्षण अवधारणा और विधियाँ,
- स्रोत भाषा की अवधारणा और तैयारी, लक्ष्य भाषा की अवधारणा और तैयारी,
- शब्दकोश की भूमिका, पारिभाषिक शब्दावली की समस्या
- विशेषीकृत अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. बैंकों में अनुवाद की समस्याएँ : भोलानाथ तिवारी, श्रीनिवास द्विवेदी
3. प्रशासन में राजभाषा हिंदी : डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
4. पश्चिम में अनुवाद-कला के मूल स्रोत : डॉ. गार्गी गुप्त, विश्वनाथ गुप्त
5. Approches to Translation : Peter New Mark
6. Essay on the Principle of Translation : A.F. Tylor
7. Translation and Interpreting : R. Gargesh, K.K. Goswami

प्रश्नपत्र : 4034 : परियोजना कार्य

किसी एक पाठ का अनुवाद (अधिकतम 50 पृष्ठ)

(D) विकल्प : मध्यकालीन हिंदी-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4041 : मध्यकालीन हिंदी साहित्य की अवधारणा

- हिंदी साहित्य के मध्यकाल के संदर्भ में रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी और रामविलास शर्मा का चिंतन, मध्यकालीन (सौंदर्यदृष्टि, स्थापत्य, चित्र, संगीत, कला) 'लोक' की अवधारणा, सामाजिक संस्कृति परिवर्तन की अवधारणा, भक्ति आंदोलन, रचनाकारों का महत्वक्रम
- मध्यकालीन काव्य-भाषाओं का साहित्यिक वैशिष्ट्य (ब्रज, अवधी, राजस्थानी, सधुक्कड़ी, मैथिली के संदर्भ में), काव्य रूप (प्रबंध, मुक्तक, प्रगीत), मध्यकालीन साहित्य की प्रामाणिकता का सवाल, कथानक रूढ़ियाँ और कवि-प्रसिद्धियाँ

- दरबार, लोक और संप्रदाय, साहित्य की दरबारी और लोकनिष्ठ धारा, मध्यकालीन साहित्य के शास्त्रीय चिंतन का स्वरूप
- मध्यकालीन सौंदर्य-दृष्टि (स्थापत्य, चित्रकला, संगीत से साहित्य का संबंध), भक्ति आंदोलन : उत्तर और दक्षिण, हिंदू-मुस्लिम, स्त्री-पुरुष, जाति और वर्ण, मध्यकालीन वाग्गेयकारों का साहित्य, उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत की प्रचलित बंदिशें और ब्रजभाषा

विचारणीय बिंदु

- सामाजिक इतिहास के संदर्भ में मध्यकालीन हिंदी साहित्य
- हिंदी भाषा का आरम्भ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का अतीत - विश्वनाथ मिश्र
- तुलसीदास और उनका युग -- डॉ. रामविलास शर्मा
- हिंदी साहित्य का इतिहास -- रामचंद्र शुक्ल
- Medieval India : The Study of Civiliazation – Irfan Habi

.....

प्रश्नपत्र - 4042 : मध्यकालीन दरबारी परम्परा का साहित्य

- विद्यापति - कीर्तिलता, केशवदास
- गंग, भिखारीदास, पद्माकर, दीनदयाल गिरि, गिरधर कविराय
- भूषण, मतिराम, रसलीन
- देव, सेनापति

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- अमीर खुसरो - संपा. गोपीचंद नारंग
- विद्यापति
- प्रेमाख्यान

.....

प्रश्नपत्र - 4043 : मध्यकालीन साहित्य की लोकनिष्ठ परम्परा

- अमीर खुसरो
- विद्यापति - पदावली, कबीर, नानक, मंझन, जायसी - कन्हावत, तुलसी
- मीरा, सूरदास, सुन्दरदास
- बोधा, ठाकुर, आलम, द्विजदेव, रसखान
- मीर, गालिब, नजीर अकबराबादी

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- नजीर अकबरबादी ग्रंथावली -- संपा. नजीर मुहम्मद
- मीर : संपा. प्रकाश पंडित
- गालिब : संपा. प्रकाश पंडित
- कविता कौमुदी : संपा. रामनरेश त्रिपाठी, (उर्दू, हिंदी खंड)

.....

प्रश्नपत्र-4044 : परियोजना-कार्य

.....

(E) विकल्प : आधुनिक जनसंचार माध्यम अध्ययन

प्रश्नपत्र 4051 : जनसंचार माध्यमों का विकास

- जनसंचार प्रक्रिया के मूलतत्त्व : तकनीक का विकास, जनसंचार की अवधारणाएँ एवं प्रकार्य : प्रमुख सैद्धांतिकियाँ (एडोर्नो, मैक्लूहन, रेमंड विलियम्स, बोर्दियू, जॉन फिस्के, सारा मिल्स इत्यादि)
- भारत में संचार माध्यमों का विकास

  प्रिंट : प्रथम चरण : सुधार युग, द्वितीय चरण : स्वाधीनता-स्वदेशी-संघर्ष, तृतीय चरण : 1947 के बाद विकास की समस्याएँ

  रेडियो : प्रथम चरण : आजादी से पूर्व, द्वितीय चरण : आजादी के बाद की समस्याएँ

- टी.वी. व इंटरनेट : प्रथम चरण : विकासमूलक; द्वितीय चरण : भूमण्डलीकरण और

  तीसरा चरण : भूमण्डलीकरण और व्यावसायिकता का चरण - साइबर स्पेस और जनसंचार

- जनसंचार : उद्योग के रूप में आर्थिकी

  प्रिंट की आर्थिकी का चक्र : प्रसारण संख्या - पाठक संख्या के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का चक्र

  माध्यमों के स्वामित्व का रूप

  क्रास ओनरशिप कन्वर्जेंस

  एफ.डी.आई. प्रवेश

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र रमेंड विलियम्स
- पूंजीवाद और सूचना युग : संपा. मैक्चेस्नी वुड
- संस्कृति विकास और संचार क्रांति - पी.सी. जोशी
- हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
- भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास - जेफ्री रोबिन्स

.....

प्रश्नपत्र : 4052 : समाचार-निर्माण और प्रसारण
(प्रिंट, टी.वी., इंटरनेट आदि के संदर्भ में)

- समाचार का स्वरूप : समाचार-संकलन, निर्माण (सभी माध्यमों के संदर्भ में)
- संपादन-प्रक्रिया

  संपादन विभाग के मंच एवं प्रकार्य (सभी माध्यमों के संदर्भ में) प्रेस-विधि, डिजाइनिंग
- विज्ञापन और जनसंपर्क
- प्रसारण-प्रक्रिया : मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- साक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामशरण जोशी
- टीवी रिपोर्टिंग - पुष्प प्रसून वाजपेयी

- पटकथा लेखन : मनोहरश्याम जोशी
- पटकथा लेखन : मन्नू भंडारी

.....

प्रश्नपत्र : 4053 : जनसंचार एवं अध्ययन प्रविधियाँ

- समाचार-लेखन : समाचार-सामग्री विविध रूप, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, कॉलम-लेखन, व्यावसायिक सामग्री-लेखन, विज्ञापन-लेखन
- कहानी, पटकथा माध्यम समीक्षा (सिनेमा, टी.वी., अखबार के संदर्भ में)
- मीडिया अध्ययन की प्रविधियाँ (प्रोजेक्ट लेखन के संदर्भ में), संरचनावादी प्रविधि, उत्तर-संरचनावादी प्रविधि, चिह्नशास्त्रीय प्रविधि
- सांस्कृतिक अध्ययन पद्धतियाँ, स्त्रीत्ववादी अध्ययन पद्धतियाँ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Many Voices : One World : Macbride Commission Report (UNO)
- The Visual Culture Reader: Ed. Nicholas Mirzeoff
- Media Research Techonologies – Arthur Asa Berger
- Qualitalive Methodologies for Mass Communication Research : Klaus Bruhn & Nicholos W Jankowski

.....

प्रश्नपत्र : 4054 : परियोजना-कार्य

.....

(F) विकल्प : भाषाविज्ञान

प्रश्नपत्र : 4061 : हिंदी भाषा की संरचना

१ : हिंदी : सामान्य परिचय

- हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
- मानक हिंदी और हिंदी की क्षेत्रीय बोलियाँ

- संविधान में हिंदी का स्थान

२ : ध्वनि-संरचना

- हिंदी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण
- हिंदी में अ-लोप की समस्या
- हिंदी की मूर्धन्य उत्क्षिप्त ध्वनियों (ड़ और ढ़) की समस्या
- हिंदी में महाप्राण व्यंजन ध्वनियों की समस्या
- हिंदी में नासिक्य, अनुस्वार और अनुनासिकता की समस्या
- हिंदी स्वनिम व्यवस्था : खण्ड्य और खण्डेतर

३ रूप, शब्द और पद

- रूप की संकल्पना
- रूपिम की संकल्पना
- शब्द : शब्द और अर्थ का संबंध
- शब्द-निर्माण की आवश्यकता और प्रक्रिया
- शब्द के प्रकार
- शब्द-वर्ग
- पद की संकल्पना

४ वाक्य-संरचना तथा प्रोक्ति-विश्लेषण

- वाक्य का स्वरूप
- वाक्य की संरचना
- वाक्यात्मक युक्तियाँ
- निकटस्थ अवयव-विश्लेषण
- वाक्य के प्रकार : रचना की दृष्टि से - साधारण, मिश्र, संयुक्त
- अर्थ की दृष्टि से - निश्चयार्थक, आज्ञार्थक, विस्मयादिबोधक संबोधनमूलक, विनम्रतामूलक
- प्रोक्ति का स्वरूप
- प्रोक्ति-विश्लेषण

५ : अर्थ-संरचना

- अर्थ की प्रकृति

- पर्यायता
- अनेकार्थता
- विलोमता
- वाक्य-स्तर पर अर्थ-विवेचन

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
3. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
4. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
5. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
6. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव

.....

प्रश्नपत्र : 4062 : समाज-भाषाविज्ञान

- १ **समाज-भाषाविज्ञान का स्वरूप**
  - भाषाविज्ञान और समाजभाषाविज्ञान
  - सामाजिक संदर्भ और भाषा-वैविध्य
- २ **भाषा और संपर्क**
  - द्विभाषिकता और बहुभाषिकता
  - कोड-मिश्रण और कोड-परिवर्तन
  - पिजिन और क्रियोल
  - भाषाद्वैत
- ३ **भाषा-नियोजन तथा भाषा-विकल्पन**
  - भाषा-नियोजन की अवधारणा
  - मानकीकरण और आधुनिकीकरण
  - भाषा-विकल्पन : प्रयोक्तासापेक्ष विकल्पन
    - प्रयोगसापेक्ष विकल्पन -- प्रयुक्तिसापेक्ष
      - भूमिकासापेक्ष

- ४ **भाषा और सामाजिक संदर्भ**

  संबोधन-शब्दावली

  रिश्ते-नाते की शब्दावली

  रंग-शब्दावली

- ५ **समाज और संस्कृति**

  भाषा और समाज

  हिंदी भाषाई समाज का स्वरूप और क्षेत्र

  जातीय गठन की प्रक्रिया और भाषाई समाज

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
2. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
3. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
4. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
5. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
7. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा

.....

प्रश्नपत्र : 4063 : भाषा-शिक्षण

- **भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण :**

  अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान और भाषा-शिक्षण का संबंध

  भाषा विशेष का व्याकरण और शैक्षिण व्याकरण

  भाषा-अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा-शिक्षण

- **भाषा-शिक्षण और भाषा**

  मातृभाषा

  मातृभाषा-संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

  मातृभाषा-शिक्षण के उद्देश्य

अन्य भाषा (द्वितीय भाषा)

द्वितीय भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

द्वितीय भाषा-शिक्षण के उद्देश्य

द्वितीय भाषा-शिक्षण की प्रक्रिया

मातृभाषा तथा द्वितीय भाषा के अधिगम और शिक्षण में आधारभूत भिन्नताएँ

विदेशी भाषा

विदेशी भाषा : संकल्पना, अर्थ और महत्त्व

माध्यम के रूप में भाषा

- **पाठ-नियोजन : सिद्धांत और प्रक्रिया**

पाठ-नियोजन का अर्थ और महत्त्व

पाठ-नियोजन की आवश्यकता

पाठ-नियोजन की तकनीक

पाठ के प्रकार

पाठ-संकेत-निर्माण की प्रारंभिक आवश्यकताएँ

दैनिक पाठ-योजना

विविध पाठों के पाठ-नियोजन की प्रक्रिया

- **अन्य भाषा-शिक्षण की प्रमुख विधियाँ**

व्याकरण-अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि

संरचना-विधि तथा श्रवण-भाषण-विधि

अन्य भाषा-शिक्षण की समन्वित विधि

- **भाषा-मूल्यांकन तथा परीक्षण**

भाषा-शिक्षण और त्रुटि-विश्लेषण

मूल्यांकन तथा परीक्षण की संकल्पना

भाषा-परीक्षण के प्रकार्य

भाषाई परीक्षणों के प्रकार

परीक्षण-निर्माण के आधारभूत सिद्धांत

वस्तुनिष्ठ परीक्षणों का निर्माण तथा उपयोग

अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ

भाषाई कौशलों का परीक्षण : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन तथा अन्य रूप

साहित्यिक विधाओं तथा संस्कृति का परीक्षण

मूल्यांकन के प्रकार

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी : रामविलास शर्मा
2. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
3. हिंदी भाषा का संक्षिप्त इतिहास : भोलानाथ तिवारी
4. भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदय नारायण तिवारी
5. भाषा (हिंदी अनुवाद) लैनर्ड ब्लूम फील्ड
6. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
7. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. हिंदी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
10. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास : कैलाशचंद्र भाटिया
11. हिंदी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी
12. हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु
13. हिंदी भाषा : हरदेव बाहरी
14. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा और बोली : एक संवाद : आर.के. अग्निहोत्री
16. भाषा बहुभाषिकता और समाज : आर.के. अग्निहोत्री
16. One Language Two Scripts : Cristopher King
17. Hindi Nationalism : Alok Rai
18. The Hindi Public Sphere (1920-1940) : Francesca Orsini
19. Colloquial Hindi : The Complete Course for Beginners : Tej K. Bhatia
20. Hindi Phonetic Reader : Omkar N. Koul
21. Modern Hindi Grammar : Omkar N. Koul
22. Outline of Hindi Grammar : R.S. McGregor
23. Semantics : F.R. Palmer
24. Sociolinguistic Theory : J.K. Chambers
25. Translation and Interpreting : R. Gargesh & K.K. Goswami
26. Applied Linguistic : R.N. Srivastava
27. Linguistics : An introduction to Language and Communication : A. Akmajian,R.A. Demers, A.K. Farmer, R.M. Harnish

.....

प्रश्नपत्र : 4064 : परियोजना कार्य

.....

(G) विकल्प : आधुनिक हिंदी-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4071 : आधुनिकता की यात्रा

- आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकीकरण, उत्तर आधुनिकता
- लोक से जन का संक्रमण
- सांस्कृतिक पूंजी, सांस्कृतिक संस्थान
- सांस्कृतिक उत्पादन, आधुनिक कला-रूप (चाक्षुष, दृश्य-श्रव्य)
- गाँव, शहर, समाज और साहित्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- The subject of Modernity - Anthony J. Casscardi
- The Constitution of Society : Anthony Giddens
- The Cousequences of Modernity Anthony Giddens
- The Class Struggle Urban Contradictions : M. Castells
- The City & Grassroots : M. Castelles.
- आधुनिकता और आधुनिकीकरण -- रमेश कुंतलमेघ

.....

प्रश्नपत्र : 4072 : आधुनिक हिंदी-साहित्य की विशेषताएँ

- औपनिवेशिक दौर और हिंदी भाषा जनक्षेत्र, फोर्ट विलियम कॉलेज, हिंदी साहित्य सम्मेलन, नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी की बहसें
- भारतेंदु मंडल, द्विवेदी युग, सरस्वती, सुधारवाद, राष्ट्रवाद, साम्राज्यवाद-विरोध, पश्चिम के विचार-आंदोलन का प्रभाव, प्राच्यवाद
- प्रगतिशील आंदोलन, राष्ट्रवाद और प्रगतिशीलता के प्रश्न
- उत्तर-औपनिवेशिक हिंदी-साहित्य

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- भाषण हिंदी साहित्य सम्मेलन संपा. Reports Hkk

- रस्साकशी : वीरभारत तलवार
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण --रामविलास शर्मा
- भारतेंदु और उनका युग : रामविलास शर्मा
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास - डॉ. नगेन्द्र

.....

प्रश्नपत्र : 4073 : आधुनिक भारतीय साहित्य का संदर्भ

- सांस्कृतिक इकाई के रूप में भारत
- बहुभाषिकता, बहुसांस्कृतिकता
- भारतीय साहित्य की अवधारणा
- भारतीय भाषाओं से चुने हुए अनूदित पाठ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास -- डॉ. नगेन्द्र
- समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)
- संस्कृति के चार अध्याय -- रामधारी सिंह दिनकर

.....

प्रश्नपत्र : 4074 : आधुनिक विश्व-साहित्य

(हिंदी में अनूदित)

- आख्यान के रूप में परिवर्तन
- यूरोपीय साहित्य
- पूर्वी साहित्य
- लैटिन अमेरिकी साहित्य, अफ्रीकी साहित्य

.....

(H) विकल्प : हिंदी का लोक-साहित्य

प्रश्नपत्र : 4081 : लोक की अवधारणा और अनुसंधान प्रविधि

- लोक की नृतत्वशास्त्रीय, एथनोग्रॉफी, लोक मनोवैज्ञानिक तथा समाजशास्त्रीय व्याख्या

  लोक-मानस और मुनि-मानस
- हिंदी लोक-साहित्य : अध्ययन और अनुसंधान की प्रविधि

  सर्वेक्षण

  संकलन
- लोक-साहित्य का अध्ययन, विश्लेषण और मूल्यांकन
- भारत में लोक-साहित्य संबंधी अध्ययन और अनुसंधान

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. लोक का आलोक : सं. पीयूष दहिया
2. लोक : सं. पीयूष दहिया
3. लोक-साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येंद्र
4. लोक-साहित्य की भूमिका : डॉ. धीरेंद्र वर्मा

.....

प्रश्नपत्र : 4082 : लोक-संस्कृति के अंग और उसकी अभिव्यक्तियाँ

- भाषा : शब्द सामर्थ्य, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
- साहित्य : अनुभूति व अभिव्यक्ति का दर्शन
- संगीत : छंद, ताल, लय, वाद्य; भाषा और संगीत का अन्तस्संबंध
- जीवन-दर्शन : लोक धर्म, लोकाचार, लोक विश्वास, लोकोत्सव

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. परंपराशील लोक-नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
2. भारतीय लोक-साहित्य : श्याम परमार

3. लोक-साहित्य के प्रतिमान : डॉ. कुंदनलाल उप्रेती
4. साहित्य सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी
5. लोक-साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा : मनोहर शर्मा

.....

प्रश्नपत्र : 4083 : हिंदी क्षेत्र, लोक शैलियाँ और लोक-साहित्य के विविध रूप

- लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति और स्वरूप, हिंदी की ग्रामीण शैलियाँ और उनका भाषिक वैशिष्ट्य
- लोकगीत देवीगीत,जन्म-संबंधी, संस्कार गीत,विवाह-संबंधी,ऋतु गीत, मृत्यु-संबंधी, श्रम गीत

- **क. श्रव्य**

  लोकगाथा, लोक-आख्यान, पंडवानी, आल्हा इत्यादि

- **ख. दृश्य** लोकधर्मी नाट्य परंपरा : लोकनाट्य

  1. रामलीला
  2. रासलीला
  3. नौटंकी, स्वाँग, सांगीत
  4. कव्वाली
  5. चारबैत
  6. नात इत्यादि
  7. बिदेसिया

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

1. Culture as Paraxis : Zygmunt Bauman
2. Archaeology and Folklore : Amy Gazin-Schwartz & Cornelins J. Holtorf (Edt)
3. Theory and History of Folklore : Vladimir Propp
4. Folklore, Myths and Legends : Donna Rosenberg
5. Folk Culture in India : S.P. Pandey, Awadhesh Kumar Singh
6. Folk Culture of Manipur : Dr. M. Kirti Singh
7. An Outline of the Cultural History of India : Syed Abdul Latif
8. Malabar and its Folk : T.K. Gopal Panikkar
9. Facets of Indian Culture : Dr. P.C. Muraleemadhavan (Edt.)
10. Mirrors of Indian Culture : Krishna Murthy
11. Varia Folklorica : Alan Dundes (Edt.)
12. Folkways in Rajasthan : V.B. Mathur
13. Folktales of U.P. Tribes : Amir Hasan & Seemin Hasan
14. Indian Folk tales of North-East : Tamo Mibang, P.T. Abrahan
15. Traditions of Indian Folk Dance : Kapila Vatsyayan
16. Many Ramayana : Richman
17. Folk Life : (Journal)

प्रश्नपत्र : 4084 : परियोजना कार्य

(I) विकल्प : अस्मिता और साहित्य

प्रश्नपत्र : 4091 : अस्मिता अवधारणाएँ और सिद्धांत

- अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत, अस्मिता-निर्माण की प्रकृति
- स्मृति, इतिहास और अस्मिता,
  अस्मिता और सत्ता,
  धर्म और अस्मिता
- अस्मिता और राष्ट्र
  भूमंडलीकरण और अस्मिता
- व्यक्ति-अस्मिता और सामूहिक अस्मिता
  हाशिए की अस्मिताएँ
  अल्पसंख्यक अस्मिताएँ

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- New Social Movements : A Theorilical Approach - M Melluci.
- The Kristieva Reader : Ed. T.S. Kuhn
- Revolution in Poetic Lananguage – Julieva Kristieva.
- Feminist Cultural Theory Process and Production : Ed. Beverly Skeggs.
- The Orginating Patriarchy – Sylvia Walby

प्रश्नपत्र : 4092 : जेंडर-अस्मिता और साहित्य

- जेंडर की अवधारणा, स्त्रीत्ववादी चिंतकों की अवधारणाएँ
- जेंडर अस्मिता और यौन-अस्मिता, विजेता, सत्ता
- जेंडर, भाषा और साहित्य
- रचनाओं का चुनाव शिक्षक इन बिंदुओं को ध्यान में रखकर करें। इसमें दो रचनाएँ चुनी जानी चाहिए।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- Feminist Thought : A Comprehensive Introductions – Tony Rosemary
- स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द वुआ
- A Vindcalion of The Rights of Women : Mary Wollstoncraft.

- The Subjection of Women : JS Mill

प्रश्नपत्र : 4093 : दलित अस्मिता और साहित्य

- अंबेडकर और उत्तर अंबेडकर विचार
- दलित आंदोलन और दलित साहित्य
- दलित साहित्य और भाषा
- प्रतिवर्ष दो रचनाओं का चुनाव किया जाएगा। जिनका अध्ययन उपर्युक्त बिंदुओं के संदर्भ में किया जाएगा।

प्रस्तावित सहायक ग्रंथ सूची

- दलित साहित्य विशेषांक : हंस पत्रिका
- अम्बेडकर समग्र भारत सरकार का प्रकाशन
- जूठन -- ओमप्रकाश वाल्मीकि
- मेरा बचपन मेरे कंधों पर -- श्योराज सिंह बेचैन

प्रश्नपत्र : 4094 : परियोजना-कार्य

पीएच.डी.

शोध पद्धति (कोर्स वर्क)

दिनांक : 06 नवम्बर, 2015

यह 2015 और उससे आगे के लिए पंजीकृत होने वाले छात्रों के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम है। कक्षाओं, कक्षा के अलावा पठन–सामग्री और खुद किए गए काम के साथ प्रस्तुतियों और सेमिनारों के माध्यम से छात्र इस पाठ्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करेंगे।

यह कार्य तीन हिस्सों में बंटा होगा – 1. अकादमिक पठन और लेखन 2. शोध के लिए आवश्यक योग्यता और 3. साहित्यिक इतिहास लेखन के साथ साहित्य की व्याख्या की पद्धतियों, विभिन्न विचार सारणियों के साथ साहित्य के संबंध, अनुवाद एवं अन्य ज्ञानानुशासनों के साथ उसके संबंध पर विचार, आदि।

1. अकादमिक पठन और लेखन : इसमें छात्र अकादमिक पाठों को पढ़ने और लिखने की बुनियादी विधियों से परिचय प्राप्त करेंगे। अकादमिक पाठ क्या होते हैं, उनके प्रमुख तत्त्व क्या हैं, उन्हें कैसे पढ़ा जाए, इन प्रश्नों पर छात्र कुछ चुने हुए पाठों के आधार पर विचार करेंगे। इसके साथ ही वे अकादमिक लेखन का अभ्यास करेंगे। वे विभिन्न प्रकार की लेखन विधियों से परिचय स्थापित करेंगे।

   यह काम कक्षाओं में तो किया ही जाएगा, साथ ही अपेक्षा होगी कि अध्यापकों द्वारा सुझाए गए पाठों पर छात्र बाहर काम करेंगे। सन्दर्भों का प्रयोग, पहले से उपलब्ध ज्ञानात्मक स्रोतों की खोज, प्रामाणिक स्रोतों की पहचान का अभ्यास किया जाएगा। छात्र अभिलेखागारों का इस्तेमाल करेंगे या उनकी खोज पर भी काम किया जाएगा। उन्हें लिखने का अभ्यास खासकर करना होगा।

2. शोध के लिए आवश्यक योग्यता : इस हिस्से में यह विचार किया जाएगा कि साहित्य–अध्ययन में शोध की विधियाँ और युक्तियाँ क्या होंगी? इसकी भी अकादमिक पाठ को आलोचनात्मक तरीके से कैसे पढ़ें? उसके नज़रिए को कैसे समझें, उसके भीतर के साक्ष्यों की पहचान कैसे करें? क्या वे ऐतिहासिक हैं या अन्य प्रकार के लेखन से जुड़े हैं? किसी भी पाठ के भीतरी तर्क को समझने का अभ्यास इसका लक्ष्य है। कोई तर्क किस प्रकार विकसित किया जाता है, वह अपनी वैधता कैसे हासिल करता है। इस पर काम किया जाएगा।

   यह भी समझना ज़रूरी है कि एक लम्बी समयावधि में कोई भी पाठ कैसे ग्रहण किया गया है। किसी पाठ के लिए जब संदर्भ–सूची तैयार की जाती है, तो किन बातों का ख्याल रखा जाता है। किसी पाठ को गहराई से पढ़ने के क्या तरीके हैं? किन आलोचनात्मक और वैचारिक दृष्टियों का उपयोग इसमें किया जाता है? उदाहरण के लिए प्रेमचंद हिंदी के सबसे अधिक पढ़े गए लेखक हैं। उनको पिछले अस्सी सालों में अनेक दृष्टियों से पढ़ा गया है। इस क्रम में मार्क्सवादी, नई समीक्षा, नारीवादी, दलित दृष्टि, मानववादी, संरचनावादी, उत्तर संरचनावादी, नव–इतिहासवादी, उत्तर– औपनिवेशिक, उत्तर–मानववादी साहित्य दृष्टियों से परिचय प्राप्त करना आवश्यक होगा।

   क्या सारे पाठ हर प्रकार की दृष्टियों से समझे जा सकते हैं? संभव है, किसी पाठ के लिए मार्क्सवादी दृष्टि अधिक कारगार हो और किसी पाठ को नारीवादी दृष्टि ज़्यादा खोल पाए। यह भी संभव है कि किसी लेखक या पाठ के नए मूल्यांकन के लिए ये दृष्टियाँ आधार प्रस्तुत करें।

3. साहित्यिक इतिहास क्या है, साहित्यिक विधाएँ कैसे विकसित होती हैं, आंदोलन किस तरह रूप ग्रहण करते हैं, इन प्रश्नों पर विचार किया जाएगा। साहित्यक पाठों की व्याख्या में सत्य, वस्तुपरकता, कला और संस्कृति से साहित्य के रिश्ते आदि पर विचार किया जाएगा। कालक्रम में लेखकों के पाठकों के साथ बदलते संबंध पर भी विचार होगा।

इसके अतिरिक्त प्रकाशन और लेखन में किसी और के काम का अनधिकृत इस्तेमाल जैसे विषय पर विशेष चर्चा होगी। कम्प्यूटर का उपयोग, इन्टरनेट पर उपलब्ध सामग्री की खोज और उसके उपयोग पर भी चर्चा होगी। यह सब कुछ कक्षाओं के साथ–साथ कक्षा के बाहर, पहले और बाद में खुद छात्र द्वारा किए गए काम के माध्यम से इसकी जाँच–पड़ताल की जाएगीं

मूल्यांकन में एक बार की लिखित परीक्षा तो होगी ही, प्रत्येक छात्र को दो पर्चे पेश करने होंगे। बीच–बीच में समूह–चर्चा भी होगी। अध्यापक असमें संयोजक और मूल्यांकनकर्त्ता का काम करेंगे।

विस्तृत पाठ्यक्रम निम्न प्रकार है :–

पीएच.डी. कोर्स–वर्क : हिन्दी
पेपर–I

अनुसंधान : प्रविधि और प्रक्रिया

अंक : 100

- शोध से अभिप्राय, स्वरूप एवं प्रयोजन
- अनुसंधान, और आलोचना
- शोध : प्राक्कल्पना, कल्पना, विपरीत कल्पना तथा परिकल्पना
- शोध में तथ्य और सत्य
- साहित्यिक शोध और साहित्येतर शोध
- प्रमुख शोध पद्धतियाँ : तुलनात्मक, मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, अंतरानुशासनिक, भाषावैज्ञानिक, पाठालोचनात्मक
- शोध में सामग्री संकलन की प्रविधि और उपादेयता
- संदर्भ ग्रंथ सूची निर्माण की प्रक्रिया
- शोध प्रबंध की प्रस्तावना–निर्माण प्रविधि
- शोध विषय–चयन का आधार
- शोध प्रबंध की रूपरेखा निर्माण–पद्धति
- शोध के उपकरण : कोश, कार्ड–निर्माण, कम्प्यूटर, संदर्भ–ग्रंथ

सहायक पुस्तकें :

1. अनुसंधान का स्वरूप – सं. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3. इन्ट्रोडक्शन टू रिसर्च – टी. हेलवे
4. दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च – इसर जार्ज, पागेट थम्पसन
5. फैक्ट्स : हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च) – डब्ल्यू ए. बाग्गले

पेपर–II

भाग : एक

शोधपरक अध्ययन : बिंदु और दृष्टियाँ

अंक : 50

आधुनिक साहित्य अध्ययन/मध्यकालीन साहित्य अध्ययन/मीडिया और फिल्म अध्ययन/नाट्य साहित्य/भाषावैज्ञानिक अध्ययन के क्षेत्र में शोध करने वाले विद्यार्थी अपने–अपने विकल्प का चयन कर कक्षाओं में उपस्थित रहेंगे। सभी विकल्पों की अलग–अलग कक्षाएँ लगेंगी ।

1. आधुनिक साहित्य अध्ययन
   - भारतीय नवजागरण का व्यापक परिप्रेक्ष्य और हिंदी नवजागरण
   - आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद
   - मार्क्सवादी दृष्टि
   - दलित और स्त्री दृष्टि

   सहायक पुस्तकें :

1.	भारत का भूमंडलीकरण	–	(सं.) अभय कुमार दुबे
2.	संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं काव्यशास्त्र	–	गोपीचंद नारंग
3.	Culture, Ideology, Hegemony	–	K.A. Panikkar
4.	Nationalism and Colonialism in, Modern India	–	Bipin Chandra
5.	Women writing in India : 600BC to the early 20th Century	–	Surie Tharu and K.Lalitha
6.	Traditions, Tyranny and Utopia: Essay in the Politics of Awareness	–	Ashish Nandy

2. मध्यकालीन साहित्य अध्ययन
   - मध्यकाल : अवधारणा और चिंतन
   - भक्तिकाव्य और लोकजागरण
   - शास्त्र और रीतिकाल का संदर्भ
   - मध्कालीन बोध का स्वरूप : समाज, संस्कृति और दर्शन

   सहायक पुस्तकें :

1.	मध्यकालीन बोध का स्वरूप	–	हजारी प्रसाद द्विवेदी
2.	मध्यकालीन धर्म साधना मध्यकालीन प्रेम साधना	–	परशुराम चतुर्वेदी
3.	रीतिकाव्य की भूमिका	–	नगेन्द्र
4.	मध्यकालीन भारत– I, II, III	–	इरफान हबीब
5.	भक्तिकाव्य और लोकजीवन	–	शिवकुमार मिश्र
6.	लोकजागरण और साहित्य	–	रामविलास शर्मा

3. मीडिया और फिल्म अध्ययन
   - फ्रैंकफुर्त स्कूल और इसकी वैचारिकी
   - बर्मिंघम स्कूल और इसकी वैचारिकी
   - नॉम चोम्स्की की मीडिया दृष्टि
   - फिल्म अध्ययन और फिल्म समीक्षा

सहायक पुस्तकें :

1.	फासीवादी संस्कृति और सेकुलर पॉप संस्कृति	–	सुधीश पचौरी
2.	पॉपुलर कल्चर के विमर्श	–	सुधीश पचौरी
3.	संस्कृति उद्योग	–	अडोर्नो
4.	टेलीविज़न संस्कृति और राजनीति	–	जगदीश्वर चतुर्वेदी
5.	हाउ टु ए रीड फिल्म;द वर्ल्ड ऑफ मूवीज़; मीडिया मल्टी मीडिया हिस्ट्री	–	जेम्स मोनैको
6.	जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य	–	जवरीमल्ल पारख

4. नाट्य साहित्य अध्ययन

- प्राचीन रंग–चिंतन : ग्रीक, भारतीय
- आधुनिक रंग–चिंतन : पाश्चात्य रंग अवधारणाएँ –यथार्थवाद, विसंगतवाद, पृथक्करण, अभिव्यंजनावाद, स्वच्छंदतावाद आदि
- रंगमंच : अनूदित प्रयोग (प्रादेशिक एवं विदेशी भाषाओं के पाठ)
- रंगमंचीय नव्य प्रयोग

सहायक पुस्तकें :

1.	हिंदी रंगमंच का उद्‌भव और विकास	–	विश्वनाथ शर्मा
2.	हिंदी नाटक पर पाश्चात्य प्रभाव	–	विश्वनाथ
3.	हिंदी नाटक साहित्य का इतिहास	–	सोमनाथ गुप्त
4.	रंगकर्म	–	वीरेन्द्र नारायण
5.	Drama and The Theatre with radio	–	Edited by John Russell Brown Rutledge & kegan paul
6.	भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	–	पंडित सीताराम चतुर्वेदी

5. भाषावैज्ञानिक अध्ययन

- संरचनात्मक
- समाज भाषावैज्ञानिक
- मनोभाषावैज्ञानिक
- शैलीवैज्ञानिक

सहायक पुस्तकें :

1.	हिंदी भाषा 'संरचना के विविध आयाम'	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2.	भाषा और समाज	–	रामविलास शर्मा
3.	हिन्दी भाषा का समाज शास्त्र	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
4.	मनोभाषिकी	–	सूर्यदेव शास्त्री
5.	संरचनात्मक शैली विज्ञान	–	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

भाग : दो
सेमिनार–प्रस्तुति

अंक : 50

प्रत्येक विद्यार्थी को अपने–अपने विकल्प से संबंधित दो सेमिनार अपनी कक्षा में प्रस्तुत करने होंगे जिनका अध्यापक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

एम.फिल (हिन्दी)

सेक्सुअल हरासमेंट	10.00
विश्वविद्यालय छात्र शुल्क	2.00
स्वास्थ्य केन्द्र शुल्क	5.00

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र–I अनुसंधान का स्वरूप और प्रविधि अंक : 100 3 घंटे

1. अनुसंधान का स्वरूप
2. अनुसंधान और आलोचना
3. अनुसंधान : प्रविधि और दृष्टि–
   - i. ऐतिहासिक अनुसंधान प्रविधि
   - ii. अन्तरविद्यापरक (Interdisciplinary) अनुसंधान प्रविधि
   - iii. पाठालोचनात्मक अनुसंधान प्रविधि
   - iv. भाषावैज्ञानिक/शैलीवैज्ञानिक अनुसंधान प्रविधि
   - v. तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि
   - vi. समाजशास्त्रीय प्रविधि
   - vii. मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि
   - viii. संरचनावादी प्रविधि
   - ix. उत्तरसंरचनावादी प्रविधि
   - x. सांस्कृतिक अध्ययन संबंधी प्रविधि
   - xi. नवीन अनुसंधानपरक दृष्टियाँ : मार्क्सवादी, उत्तर–आधुनिकतावादी, नव–इतिहासवादी, दलित, स्त्री और निम्नवर्गीय विमर्शपरक

सहायक ग्रंथ

1. अनुसंधान का स्वरूप	:	सं. सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया	:	सं. सावित्री सिन्हा तथा विजयेन्द्र स्नातक
3. इण्ट्रोडक्शन टू रिसर्च	:	टी. हेलवे
4. दि स्ट्रैट्जी ऑफ रिसर्च	:	इसर जार्ज, पागेट थम्पसन
5. दि आर्ट ऑफ साइन्टिफिक रिसर्च	:	डब्ल्यू. आई.बी. बैरब्रिज
6. फैक्ट्स : हाउ टू फाइन्ड देम (ए गाइड टू रिसर्च)	:	डब्ल्यू ए. बाग्गले
7. शोध प्रविधि	:	विनय मोहन शर्मा
8. सोशियोलॉजी ऑफ लिटरेचर	:	डायना लौरेंसन, एलेन स्विंगवुड
9. टुवार्ड्स ए सोशियोलॉजी ऑफ नॉवल	:	लुसिए गोल्डमान
10. राइटिंग इन सोसाइटी	:	रेमंड विलियम्स
11. संरचनात्मक शैलीविज्ञान	:	रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
12. ऑफ ग्रामेटोलॉजी	:	जॉक देरिदा (अनु. गायत्री चक्रवर्ती स्पिवाक)
13. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका	:	मैनेजर पांडेय
14. सेलेक्टेड राइटिंग्स ऑन कल्चर	:	अंतोनियो ग्राम्शी
15. देरिदा	:	सं. पेगी कामुफ
16. द पोस्ट मॉडर्न कंडीशन	:	ज्यां फ्रांसुआ ल्योतार
17. द पोस्ट मॉडर्निज़्म थॉट	:	फ्रेड्रिक जोमेसन
18. रिकास्टिंग विमन	:	उमा चक्रवर्ती

प्रश्नपत्र-II (निम्नलिखित वैकल्पिक वर्गों में से कोई एक वर्ग)

वर्ग (क) मध्यकालीन चिन्तन और साहित्य

वर्ग (ख) आधुनिक चिंतन और साहित्य

वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा

वर्ग (घ) संचार माध्यम और अनुवाद

वर्ग (ङ) रंगमंच

वर्ग (क) मध्यकालीन चिंतन और साहित्य

प्रश्पनत्र - II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. मध्यकाल : समय, समाज और संस्कृति
2. मध्ययुग के प्रमुख दार्शनिक आधार
3. मध्यकाल और लोक-जागरण
4. मध्यकालीन बोध का स्वरूप
5. मध्यकालीन काव्य और कलाओं का अंतस्संबंध
6. भक्ति साहित्य और आलोचना
7. भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य
8. भक्ति-काव्य का स्वरूप
9. भक्ति-आंदोलन और हिंदी-प्रदेश
10. भक्ति-काव्य और स्त्री
11. भक्तिकाल : नए विमर्श
12. रीतिकाल : ऐतिहासिक-सामाजिक पृष्ठभूमि
13. दरबारी संस्कृति और रीतिकालीन काव्य
14. शृंगार का समाजशास्त्र और रीतिकालीन शृंगार-काव्य
15. रीतिकालीन काव्य-शास्त्र : परंपरा और विमर्श
16. रीतिकालीन वीर-काव्य और नीति-काव्य

17. रीतिकाल : नए विमर्श
18. रीतिकाल और आधुनिकता
19. रीतिकाव्य और आलोचना

सहायक ग्रंथ

1. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
3. परम्परा का मूल्यांकन : रामविलास शर्मा
4. भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास : रामविलास शर्मा
5. दूसरी परंपरा की खोज : नामवर सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत -भाग :1-2 : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. राधावल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य : विजयेन्द्र स्नातक
8. कृष्ण काव्य में लीला वर्णन : जगदीश भारद्वाज
9. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
10. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर
11. रीतिकाव्य की भूमिका : नगेन्द्र
12. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार : सं. गोपेश्वर सिंह
13. हिस्ट्री ऑफ सैक्सुअलिटी (खंड-1) : मिशेल फूको
14. सबाल्टर्न स्टडीज़ : सं. रंजीत गुहा
15. सैक्सुअल पोलिटिक्स : केट मिलेट
16. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउआ (अनु.) प्रभा खेतान
17. मध्यकालीन भारत : एक आयाम : हरबंस मुखिया
18. भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन
19. मध्यकालीन बोध का स्वरुप : हजारीप्रसाद द्विवेदी
20. लोकजागरण और हिंदी-साहित्य : रामविलास शर्मा
21. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र

वर्ग (ख) आधुनिक चिन्तन और साहित्य

प्रश्नपत्र-II **अंक : 100** **3 घंटे**

आधुनिक, आधुनिकता, आधुनिकताबोध, आधुनिकतावाद, आधुनिकीकरण, नवजागरण और विकास की अवधारणाएँ

1. उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद, उपनिवेशीकरण और उपनिवेश विरोधी संघर्ष, राष्ट्रीय चेतना का निर्माण, जन आंदोलन

2. विचारधारा और साहित्य :

   i. गांधीवाद : सत्य, अहिंसा और स्वराज

   ii. मार्क्सवाद और समाजवादी दृष्टियाँ : उत्पादन संबंध, सामाजिक इतिहास, आधार-अधिरचना, समाजवाद के विविध रूप

   iii. आधुनिक चिंतक

   iv. अस्तित्ववाद : स्वतंत्रता, अजनबीपन, अस्मिता

   v. मनोविश्लेषणवाद

3. अन्य आधुनिक अवधारणाएँ : मानववाद, राष्ट्रवाद, प्राच्यवाद

4. उत्तर आधुनिकतावादी विमर्श

5. अस्मितामूलक विमर्श (स्त्री, दलित आदि)

6. निम्नवर्गीय विमर्श (सबाल्टर्न)

7. सत्ता/ज्ञानमूलक विमर्श

सहायक ग्रंथ

1. नव मानववाद : एम.एन. रायअनु. नंद किशोर आचार्य
2. नेशन एंड नेरेशन : (सं.) होमी जे. भाभा
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा

4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग : उदयभानु सिंह
5. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति : शंभुनाथ
6. इंडियन रेनेसां : सुशोभन सरकार
7. भारतेंदुयुग और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
8. आज का दलित साहित्य : तेज सिंह
9. अंबेडकर वाङ्मय : भीमराव अम्बेडकर
10. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिंबाले (अनु.)
11. स्त्री पराधीनता : जान स्टुअर्ट मिल्स (अनु.)
12. परिधि पर स्त्री : मृणाल पांडेय
13. स्त्रीवादी विमर्श : समाज और साहित्य : क्षमा शर्मा
14. उपनिवेशवाद में स्त्री : प्रभा खेतान
15. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श : जगदीश्वर चतुर्वेदी

वर्ग (ग) भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा

प्रश्नपत्र - II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. भारत के भाषा-परिवार
2. सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान
3. ब्लूमफील्ड और संरचनात्मक भाषाविज्ञान
4. चॉम्स्की तथा रूपांतरण-निष्पादन व्याकरण
5. भाषा और सामाजिक अस्मिता
6. नियोजन और भाषा-नियोजन
7. भाषा-अनुरक्षण और भाषा-विस्थापन
8. बहुभाषिकता और उनके विभिन्न आयाम
9. भाषा-सम्मिश्रण और कोड-परिवर्तन

10. पिजिन और क्रियोल
11. भाषा-शिक्षण और भाषा
12. हिंदी का जनपदीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संदर्भ
13. हिंदी और मानकीकरण के संदर्भ
14. हिंदी और आधुनिकीकरण
15. हिंदी का समाजभाषिक संदर्भ

सहायक ग्रंथ

1.	हिंदी भाषा का समाजशास्त्र	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2.	आधुनिक भाषाविज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
3.	भाषा (हिंदी अनुवाद)	:	ब्लूमफील्ड
4.	मनोभाषाविज्ञान	:	सीताराम शास्त्री
5.	भाषा और समाज	:	रामविलास शर्मा
6.	संरचनात्मक शैलीविज्ञान	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7.	शैलीविज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
8.	शैलीविज्ञान	:	नगेन्द्र
9.	इण्डियन थ्योरी ऑफ नॉलेज एण्ड लेंग्वेज़	:	सं. आर.सी. शर्मा
10.	मनोभाषिकी	:	सूर्यदेव शास्त्री
11.	हिन्दी भाषा : संरचना के विविध आयाम	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
12.	आधुनिक भाषाविज्ञान	:	कृपाशंकर सिंह, चतुर्भुज सहाय
13.	भाषायी अस्मिता और हिन्दी	:	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
14.	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा	:	रामविलास शर्मा
15.	आधुनिक भाषाविज्ञान	:	राजमणि शर्मा
16.	भाषाविज्ञान की भूमिका	:	देवेन्द्रनाथ शर्मा

वर्ग (घ) : संचार माध्यम और अनुवाद

प्रश्नपत्र-II **अंक : 100** **3 घंटे**

माध्यम अध्ययन की सैद्धांतिकी

(रंगमंच, प्रिंट, रेडियो, टीवी एवं इंटरनेट)

i. विकासमूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
ii. संरचनामूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
iii. विखंडनमूलक अध्ययन की सैद्धान्तिकी
iv. चिह्नशास्त्रीय माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
v. संरचनामूलक माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
vi. स्त्रीवादी माध्यम अध्ययन सैद्धांतिकी
vii. सूचना समाज सैद्धांतिकी
viii. सांस्कृतिक अध्ययन सैद्धांतिकी
ix. रीडर रिस्पॉन्स सैद्धांतिकी
x. सूचना-समाज की अवधारणा
xi. विधिक व्यवस्थाएँ और जनसंचार
xii. वैकल्पिक मीडिया
xiii. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की भूमिका

सहायक ग्रंथ

1.	मीडिया एण्ड मॉडर्निटी (1988)	:	जॉन बी. थॉम्पसन (पॉलिटी प्रैस)
2.	टेलीविज़न	:	रेमण्ड विलियम्स
3.	ब्रॉडकॉस्टिंग इंडिया	:	पी.सी. चटर्जी
4.	जनमाध्यम : प्रोद्यौगिकी और विचारधारा	:	जगदीश्वर चतुर्वेदी
5.	जनमाध्यम सैद्धांतिकी	:	सुधा सिंह
6.	भूमंडलीकरण और मीडिया	:	कुमुद शर्मा
7.	नया सिनेमा	:	विनोद भारद्वाज

8. दूरदर्शन : विकास से बाजार तक : सुधीश पचौरी
9. हिन्दी पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा शर्मा
10. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य : जवरीमल्ल पारख
11. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स (अनु.)
12. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा : सुभाष धूलिया
13. संस्कृति-विकास और संचार-क्रांति : पूरनचंद्र जोशी
14. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, कृष्णकुमार गोस्वामी (सं.)
15. अनुवाद : सिद्धांत और अनुप्रयोग : नगेन्द्र (सं.)
16. अनुवाद विज्ञान की रूपरेखा : सुरेश कुमार

वर्ग (ड.) रंगमंच

प्रश्नपत्र-II **अंक : 100** **3 घंटे**

1. भारतीय नाट्यशास्त्र की मुख्य अवधारणाएँ
2. भारतीय रंगमंच और पश्चिमी रंगमंच की अवधारणाएँ
3. रंगमंच के प्रकार : भेद-प्रभेद
4. ग्रीक रंगमंच, स्वच्छंदतावादी, यथार्थवादी रंगमंच, विसंगतिवादी रंगमंच, अभिव्यंजनावादी रंगमंच, प्रतीकवादी रंगमंच
5. प्रस्तुति प्रक्रिया का अध्ययन
6. नाट्यालेख और रंग-आलेख में अंतर
7. नाट्यानुभूति और रंगानुभूति
8. रंगमंचीय संचार की संरचना
   -अमूर्त और मूर्त का अन्त:संबंध एवं नियोजन
   -दृश्य की पटकथा

9. रंग-प्रक्रिया के विभिन्न घटक
   -रचनाकार, निर्देशक, अभिनेता, पार्श्वकर्मी, प्रेक्षक, ब्रेख़्त की अवधारणा
10. महानाट्य की अवधारणा
11. पृथक्करण का सिद्धांत
12. स्तानिस्लाव्स्की की अभिनय पद्धति
13. हिंदी रंगमंच का विकास - भारतेन्दु, पारसी, पृथ्वी थियेटर, इप्टा, जयशंकर प्रसाद का रंगमंच, मोहन राकेश का रंगमंच
14. हिंदी का लोक रंगमंच - रामलीला, रासलीला, स्वाँग, नौटंकी, ख्याल, माच और नुक्कड़ नाटक
15. किसी सद्य:पठित/प्रदर्शित नाटक का रंग-विश्लेषण

सहायक ग्रंथ

1. रंग-दर्शन : नेमिचन्द्र जैन
2. रंगमंच : बलवंत गार्गी
3. भारतीय और पाश्चात्य नाट्यशास्त्र : सीताराम चतुर्वेदी
4. भरत और भारतीय नाट्यशास्त्र : सुरेन्द्रनाथ दीक्षित
5. नाट्य शास्त्र : भरत (हिंदी अनुवाद)
6. नाट्यशास्त्र विश्वकोश

प्रश्नपत्र-III **100 अंक**

सेमिनार

अपने वैकल्पिक प्रश्नपत्र तथा लघु शोध-प्रबंध के विषय से संबंधित प्रत्येक विद्यार्थी को वर्ष में दो सेमिनार देना आवश्यक है।

प्रश्नपत्र-IV | लघु शोध-प्रबंध | 100 अंक

एम.ए. (हिंदी)

प्रवेश

एम.ए. हिंदी में पंजीकरण एवं अर्हता आदि के संबंध में कला संकाय की विवरणिका देखिए।

उत्तीर्ण परीक्षा अर्हता (प्राथमिकता क्रम से)		लब्धांक अर्हता
वर्ग-१ : सीधे प्रवेश (प्रवश परीक्षा के बिना)		
1.1	दिल्ली विश्वविद्यालय की बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी परीक्षा	कुल प्राप्तांक 62% और इससे अधिक
वर्ग-२ : प्रवेश-परीक्षा के द्वारा प्रवेश		
2.1	दिल्ली विश्वविद्यालय की बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी परीक्षा	कुल प्राप्तांक 40% और अधिक
2.2	दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य किसी संस्था से बी.ए. (ऑनर्स) हिंदी अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा	कुल प्राप्तांक 40% और इससे अधिक
2.3	दिल्ली विश्वविद्यालय की बी.ए (प्रोग्राम), बी.ए. (पास), बी.काम. (पास) अथवा उनके समकक्ष मान्यता-प्राप्त कोई अन्य परीक्षा (हिंदी विषय में कम से कम दो पेपर)	कुल प्राप्तांक 45% और हिंदी विषय में 50% अंक

2.4	दिल्ली विश्वविद्यालय की एम.ए. संस्कृत (भाषा और साहित्य) अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा	एम.ए. में 50% अंक और बी.ए. में भी हिंदी विषय में 50% अंक
2.5	निम्नलिखित विषयों में से किसी एक में एम.ए. अंग्रेज़ी, आधुनिक भारतीय भाषाएँ (हिंदी के अतिरिक्त), भाषाविज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास, दर्शन, मनोविज्ञान, राजनीतिविज्ञान, बौद्ध अध्ययन, पत्रकारिता/जनसंचार	स्नातकोत्तर स्तर पर कुल प्राप्तांक 50% और स्नातक स्तर पर हिंदी विषय में 50% अंक
2.6	दिल्ली विश्वविद्यालय से किसी स्नातक पाठ्यक्रम की अथवा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई अन्य परीक्षा (कम से कम एक पेपर हिंदी विषय में)	कुल प्राप्तांक 55% और हिंदी विषय में 50% अंक

नोट: अनुसूचित जाति/ जनजाति/ विकलांग/ अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अर्हत प्राप्तांक में दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार छूट दी जाएगी।

प्रवेश-प्रक्रिया और प्रवेश-परीक्षा

i. वर्ग-1 (सीधे प्रवेश : Direct Admission) और वर्ग-2 (प्रवेश परीक्षा के द्वारा प्रवेश) के लिए कुल सीटों की 50-50% सीटें निर्धारित हैं।

ii. वर्ग-1 (सीधे प्रवेश: Direct Admission) के अन्तर्गत आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का प्रवेश निश्चित नहीं है। इस वर्ग के अन्तर्गत मैरिट के आधार पर उपलब्ध सीटों के अनुसार ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। अत: (सीधे प्रवेश : Direct Admission) के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे प्रवेश परीक्षा में भी सम्मिलित हों।

iii. वर्ग-1 (सीधे प्रवेश : Direct Admission) के अन्तर्गत मैरिट के आधार पर प्रवेश हेतु चयन होने पर संबद्ध अभ्यर्थी की प्रवेश-परीक्षा के आधार पर तैयार प्रवेश सूची पर विचार नहीं होगा। भले ही उसका नाम प्रवेश-परीक्षा के आधार पर तैयार वरीयता सूची में दर्शाया गया हो।

iv. वर्ग-1 एवं वर्ग-2 के अंतर्गत होस्टल में प्रवेश लेने के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश-परीक्षा देना अनिवार्य है। प्रवेश-परीक्षा के अंकों के आधार पर ही होस्टल के संबंध में उनका वरीयताक्रम (मैरिट) निर्धारित किया जाएगा।

v. प्रवेश के लिए ऊपर दी गई न्यूनतम अर्हताओं के अलावा अभ्यर्थी द्वारा स्वयं को प्रवेश के योग्य प्रमाणित करने के लिए प्रवेश-परीक्षा में कम-से-कम 40% (सामान्य श्रेणी) अंक प्राप्त करने होंगे, इससे कम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश के योग्य नहीं माना जाएगा तथा अनुसूचित जाति/जन-जाति/विकलांग और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के अभ्यर्थियो के लिए प्रवेश-परीक्षा में न्यूनतम अंकों में दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार छूट दी जाएगी। प्रवेश-परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर उपलब्ध सीटों पर कॉलेज की प्राथमिकता क्रम से ही प्रवेश दिया जाएगा।

vi. प्रवेश-प्रक्रिया दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार पूर्ण की जाएगी।

vii. प्रवेश-परीक्षा पाठ्यक्रम इस प्रकार है - प्रवेश परीक्षा में अभ्यर्थी की भाषा-क्षमता का मूल्यांकन किया जाएगा। इस क्षमता में अभ्यर्थी की बोध शक्ति के साथ-साथ लेखन कौशन और 10वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी तक के हिंदी साहित्य की सामान्य जानकारी अपेक्षित होगी परीक्षा 100 अंकों की होगी जिसके दो भाग रहेंगे। पहले भाग में मुख्य रूप से वस्तुनिष्ट प्रश्न पूछे जाएंगे जबकि दूसरे भाग में लघुत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न होंगे। प्रश्नपत्र की अवधि दो घंटे की होगी

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र पाठ्यक्रम

1. प्रवेश योग्यता

(क) दिल्ली विश्वविद्यालय या अन्य किसी मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक स्तर [(10+2+3) पद्धति] की परीक्षा में उत्तीर्ण
(1) बी.ए. (पास)/बी.ए. प्रोग्राम
(2) बी.ए. (ऑनर्स)
(3) बी.कॉम (पास)/बी.काम
(4) बी.कॉम (ऑनर्स)
(5) बी.एस.सी. (जनरल)
(6) बी.एस.सी. (ऑनर्स)

(ख) हिन्दी भाषा में स्नातक स्तर की अपेक्षित दक्षता।

(ग) अंग्रेज़ी भाषा में स्नातक स्तर की अपेक्षित दक्षता।

आवेदन-पत्र

(क) स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र की प्रवेश-परीक्षा के आवेदन-पत्र प्रतिवर्ष जून माह को घोषित तिथि से विभाग/अनुभाग के कार्यालय से मात्र **पचहत्तर (75)** रुपये के नकद भुगतान करने पर प्राप्त किए जा सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों के स्नातक/स्नातकोत्तर कक्षा के परीक्षा-परिणाम आवेदन करने की अन्तिम तिथि तक घोषित न हुए हों, वे भी अपना आवेदन-पत्र अनुभाग कार्यालय में अवश्य जमा करा दें और स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा परिणाम आते ही अपने उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र प्रवेश लेने की अन्तिम तिथि तक अवश्य प्रस्तुत कर दें, अन्यथा वे प्रवेश-योग्य नहीं समझे जाएंगे।

(ख) आवेदन-पत्र के साथ भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा में देय **प्रवेश-परीक्षा शुल्क रु. 450/-** (चार सौ पचास रुपये) का बैंक ड्राफ्ट **'रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय'** के नाम संलग्न करें।

(ग) प्रत्येक अभ्यर्थी को आवेदन-पत्र के साथ पासपोर्ट आकार की अपनी दो अधुनातन सत्यापित फोटो, कार्यालय में देनी होंगी।

(घ) आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्रों की स्वयं सत्यापित फोटोस्टेट प्रतियाँ संलग्न करनी होंगी :

- माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- स्नातक स्तर की परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा का प्रमाणपत्र।
- अन्य शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र।
- अनुवाद-पाठ्यक्रम संबंधी कोई परीक्षा/कार्यानुभव का मूल प्रमाणपत्र।

(ङ) आवेदन-पत्र अभ्यर्थी स्वयं भरें।

(च) किसी भी स्थिति में ठीक से न भरे हुए अथवा अधूरे आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. प्रवेश परीक्षा

इस पाठ्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक सभी अभ्यर्थियों को विभाग द्वारा घोषित तिथि को निर्धारित समय पर प्रवेश-परीक्षा देनी होगी। इसके दो भाग होंगे - लिखित और साक्षात्कार। लिखित परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रकृति का एक प्रश्नपत्र 150 अंक का होगा और साक्षात्कार 50 अंक का। दोनों परीक्षा खंडों में प्राप्त अंकों के आधार पर अभ्यर्थी की वरीयता क्रम सूची बनेगी। तद्नुसार प्रवेश की अर्हता के आधार पर विद्यार्थी को पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाएगा।

लिखित परीक्षा		**150 अंक**	**समय 3 घंटे**
खंड-क	सामान्य ज्ञान		50 अंक
खंड-ख	हिन्दी भाज्ञा		50 अंक
खंड-ग	अंग्रेज़ी भाज्ञा		50 अंक

लिखित परीक्षा में खंड (क) सामान्य ज्ञान के अन्तर्गत समसमायिक, साहित्यिक, सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक गतिविधियों के साथ ही साथ ज्ञान के अन्य क्षेत्रों का सामान्य बोध अपेक्षित है। खंड (ख) हिन्दी भाषा और खंड (ग) अंग्रेज़ी भाषा में व्याकरण के साथ-साथ अनुवाद व्यवहार संबंधी पूछे जायेंगे।

साक्षात्कार अंक 50

प्रवेश की लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर योग्य पाये गये अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार में अभ्यर्थी के हिन्दी/अंग्रेज़ी भाषा में वाचन/बोध और बोलने की क्षमता की परीक्षा होगी। लिखित और साक्षात्कार के प्राप्तांकों के योग से सफल अभ्यर्थियों की सूची, विभाग और अनुभाग के सूचना-पटल पर लगाई जाएगी।

आरक्षण

अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग अभ्यर्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमानुसार आरक्षण दिया जाएगा।

अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से संबंधित सूची बेवसाइट **http:/ncpc.nic.in/backwardclass/index.html** पर उपलब्ध है। केंद्रीय राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा अधिसूचित उपरिलिखित सूची (वेबसाइट) में वर्गीकृत अभ्यर्थियों को ही इससे संबंधित सुविधाएँ मिलेंगी।

शैक्षणिक सत्र

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने वाले अभ्यर्थियों की कक्षाएँ 23 जुलाई से शुरू होंगी और 15 मार्च तक कक्षाएँ चलेंगी। कक्षाएँ अपराह्न 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक होंगी।

उपस्थिति

प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति नियमित रूप से अपेक्षित है। वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कुल उपस्थिति में से 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है। यथेष्ट उपस्थिति के अभाव में विद्यार्थी परीक्षा नहीं दे सकेगा।

अनापत्ति प्रमाणपत्र

किसी संस्था में सेवारत अभ्यर्थी को अपनी संस्था के प्रमुख/प्रभारी/अध्यक्ष/ निदेशक से अनापत्ति प्रमाण पत्र की मूल प्रति आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करनी होगी। अनापत्ति प्रमाणपत्र का प्रारूप परिशिष्ट में दिया गया है।

स्थानांतरण प्रमाणपत्र

दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य विश्वविद्यालय/संस्था के छात्रों को अपना स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (मूल प्रति) आवेदन-पत्र के साथ जमा न करवाने पर इस आशय का घोषणा-पत्र देना होगा कि वह स्थानांतरण प्रमाणपत्र 31 अगस्त तक अवश्य जमा करवा देगा, अन्यथा उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

पुस्तकालय-सुविधा

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र (डिप्लोमा) पाठ्यक्रम का अलग से पुस्तकालय है जो अनुवाद-पाठ्यक्रम के छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

अध्यापन-कार्यक्रम

55 मिनट की तीन नियमित कक्षाएँ प्रत्येक कार्य-दिवस में अपराह्न 2.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक होंगी। इन कक्षाओं में अनुवाद के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से संबद्ध प्रशिक्षण दिया जाएगा। व्यावहारिक अनुवाद के लिए अपेक्षित पाठ अभ्यास के लिए प्रत्येक विद्यार्थी को दिए जाते हैं। अभ्यास-कार्य कक्षाओं के अतिरिक्त गृहकार्य के रूप में भी दिया जाता है। कक्षा-कार्य के आधार पर विद्यार्थी का आंतरिक मूल्यांकन होता है। इसलिए सत्रावसान के समय प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षा-कार्य मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत करना होगा।

विद्यार्थी कक्षा-अवधि के अतिरिक्त समय में भी परियोजना-कार्य के संबंध में अपने निर्देशक से आवश्यक निर्देश और सहायता ले सकते हैं।

विशेष व्याख्यान

प्रत्येक वर्ष अनुवाद के विभिन्न पक्षों पर विशेषज्ञों/विद्वानों के लगभग दस से पंद्रह व्याख्यानों की व्यवस्था है।

अन्य गतिविधियाँ

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी हिन्दी अनुवाद उपाधिपत्र पाठ्यक्रम में विद्यार्थी समय-समय पर विशेज़ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। 1995-96 के सत्र से 'अनुभाग-दीवार-

पत्रिका' के रूप में 'अनुलेखन पत्रिका' को नियमित रूप से निकाला जा रहा है। वार्षिक अंक के रूप में इस सामग्री को 'अनुलेखन' के रूप में प्रकाशित किया जाता है।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	15.00
विश्वविद्यालय नामांकन शुल्क	100.00
विश्वविद्यालय क्रीड़ा शुल्क	10.00
पुस्तकालय-शुल्क	12.00
शिक्षण शुल्क	135.00
पहचान पत्र-शुल्क	10.00
पुस्तकालय प्रतिमूर्ति (प्रत्यावर्तनीय)	1000.00
विश्वविद्यालय विकास शुल्क	600.00
परीक्षा-शुल्क	500.00
अंक तालिका शुल्क	100.00
राष्ट्रीय सेवा योजना शुल्क	20.00
सेक्सुअल हरासमेंट शुल्क	10.00
प्रोजेक्ट परीक्षा शुल्क	1000.00
आवेदन पत्र शुल्क	20.00

शिक्षण शुल्क में छूट का प्रावधान

विश्वविद्यालय के नियमानुसार प्रतिवर्ष आर्थिक रूप से कमजोर 10 प्रतिशत छात्रों को नि:शुल्क (शिक्षण शुल्क) शिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था है।

स्नातकोत्तर अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद उपाधि पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र-एक अनुवाद सिद्धांत 50 अंक 3 घंटे

1. अनुवाद - तात्पर्य निर्णय, स्रोत भाषा और लक्ष्यभाषा की अवधारणा
2. अनुवाद के विविध रूप (क) तत्काल भाषांतरण आशु अनुवाद
   (ख) यांत्रिक अनुवाद, मशीनी अनुवाद
   (ग) सृजनात्मक तथा वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद
3. अनुवाद की इकाई - शब्द→पद→पदबंध→वाक्य →प्रोक्ति→पाठ
   भाषिक प्रतीक और अर्थ का सह संबंध
   पर्याय की संकल्पना और अर्थ छवियाँ
   लाक्षणिक प्रयोग
4. अनुवाद प्रक्रिया (क) भाषिक विश्लेषण-संरचनापरक व प्रयोग परक
   (ख) अंतरण
   (ग) पुनरीक्षण
   (घ) पुनर्गठन (संपादन)
5. अनुवाद का भाषिक पक्ष : पाठधर्मिता, भाषा-शैली की समतुल्यता
6. अनुवाद के विविध सिद्धांत

7. अँग्रेजी भाषा और साहित्य से हिंदी में अनुवाद की परंपरा/साहित्य मानविकी विषयों के प्रमुख अनूदित ग्रंथ और अनुवादक

सहायक ग्रंथ

1. कैटफोर्ड, जे.सी. : (अनुवाद : डॉ. रविशंकर दीक्षित) अनुवाद के भाषिक सिद्धांत; प्रकाशक : मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
2. रेड्डी आर.आर : (अनुवाद : डॉ. जे.एल. रेड्डी) : अनुवाद के सिद्धांत, साहित्य अकादमी, मंडी हाउस, नई दिल्ली
3. गोपीनाथन, जी. : अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
4. नगेन्द्र (सं.) : अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
5. सुरेश कुमार : अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6. रमानाथ सहाय एवं : हिंदी भाषा का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
7. Janet Altman, H.: Teaching Interpreting : study & Practice CILT. Publication

8. Nida, E.A. : Towards A Science of Translation, Leiden, E.J. Brill

9. Hutchinson, W.J.: Machine Translation : Past, Present & Future, Ellis Horwood Ltd. London

10. Bloch &Trager : Outline of Linguistic Analysis.

प्रश्नपत्र-दो अनुवाद सामग्री और उपकरण 50 अंक 3 घंटे

1. अनुवाद सामाग्री की विविधता - स्वरूप, प्रवृति व समस्याएँ
   (क) सृजनात्मक साहित्य
   (ख) ज्ञान विज्ञान का साहित्य
   (ग) तकनीकी साहित्य
   (घ) सूचनापरक साहित्य

2. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद - विशेषकर कविता, नाटक और कथा साहित्य के संदर्भ में सृजनात्मक तथा वैज्ञानिक साहित्य का प्रवृतिगत अंतर - कथ्यपरक व अभिव्यक्ति परक

3. ज्ञान विज्ञान व तकनीकी साहित्य का अनुवाद (मानविकी और प्रावृतिक विज्ञान के संदर्भ में)

   पारिभाषिक शब्द - प्रकृति, निर्माण व प्रयोग परक वैशिष्ट्य

   कार्यालयी अनुवाद - प्रशासन, बैंक, विधि आदि के क्षेत्र में अँग्रेजी-हिंदी अनुवाद का स्वरूप - सारानुवाद व संक्षेपण कला

4. जनसंचार माध्यम में हिंदी अनुवाद (पत्रकारिता, आकाशवाणी, दूरदर्शन व फिल्म के संदर्भ में) प्रविधियाँ, समस्याएँ व समाधान, विज्ञापन व अनुवाद

5. अनुवाद के उपकरण - कोश, कोश रचना, पारिभाषिक शब्द, कोशों के विविध प्रकार : ज्ञान कोश, शब्दार्थ कोश, मुहावरा-लोकोक्ति कोश, समांतर कोश, उच्चारण कोश आदि, अंग्रेज़ी-हिंदी के प्रमुख उपयोगी कोश ग्रंथ-एकभाषी व द्विभाषी काश हिंदी के विशिष्ट कोण ग्रंथ और उनकी उपादेयता

सहायक ग्रंथ

1. नगीनचंद्र सहगल : काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ, हिंदी माध्यम कार्यालय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

2. सुरेश सिंघल : सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : स्वरूप व समस्याएँ, सार्थक प्रकाशन, गौतम नगर, नई दिल्ली

3. विमलेश कांति वर्मा (सं.): कोश विशेषांक, 'अनुवाद' त्रैमासिक (अंक 94-95 जनवरी, जून 1998) भारतीय अनुवाद परिषद्, नई दिल्ली

4. अरविंद कुमार (सं.): ऑफ हिंदी समांतर कोश, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली

5. कृष्ण कुमार भार्गव (सं.): विश्व उच्चारण कश, शालीमार बाग, नई दिल्ली

6. हरदेव बाहरी (सं.): बृहत् अंग्रेज़ी-हिंदी शब्द कोश, ज्ञान मंडल, वाराणसी

7. रघुवीर (सं.) : बृहत् अंग्रेज़ी-हिंदी पारिभाषिक शब्द कोश (Comprehensive English- Hindi Dictionary) सरस्वती विहार, हौज खास एनक्लेव, नई दिल्ली

8. सत्य प्रकाश व बलभद्र: मानक अंग्रेज़ी-हिंदी कोश, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागप्रसाद मिश्र

9. मैकग्रेगर, आर.एस. : Oxford Hindi-English Dictionary, Oxford University press Oxford.

10. कार्यालय पद्धति (Mannual of Office Procedure) Ministry of Personal Public Grievances and Pensions.

प्रश्नपत्र-तीन भाषिक अंतरण 50 अंक 3 घंटे

(क) 15 अंक

1. भाषिक अंतरण में सावधानियाँ - संरचनात्मक व प्रयोग गत
2. अनुवाद व तत्काल भाज़ांतरण का स्वरूपगत अंतर, तत्काल भाषांतरकर्त्ता के गुण
3. अंग्रेज़ी-हिंदी व्यतिरेकी विश्लेषण
4. अनुवाद का समाजशास्त्र - भाषा का प्रयोगपरक विश्लेषण
5. भाषिक प्रयुक्तियाँ और उनका वैशिष्ट्य - कार्यालयी अनुवाद का संदर्भ

(ख) 35 अंक

1. लगभग तीन सौ शब्दों के दो अँग्रेजी अवतरणों का हिंदी अनुवाद
2. लगभग दो सौ शब्दों के एक हिंदी अवतरण का अँग्रेजी अनुवाद
3. अँग्रेजी-हिंदी अवतरण का सारानुवाद

सहायक ग्रंथ

1. सूरजभान सिंह : अँग्रेजी-हिंदी अनुवाद व्याकरण, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

2. रमेश चन्द्र शर्मा : हिंदी-अँग्रेजी वाक्य संरचना, व्यतिरेकी विश्लेषण, अक्षर श्री प्रकाशन, नई दिल्ली

3. गोपीनाथ श्रीवास्तव : कार्यालय अनुवाद निर्देशिका, सामयिक प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

4. रीतारानी पालीवाल : अनुवाद की सामाजिक भूमिका, सचिन प्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

5. कैलाश चंद्र भाटिया: अभिव्यक्ति कोश, प्रभात प्रकाशन, आसफअली रोड, नई दिल्ली

6. Paul K. : Training the Translator, John Benjamin. Publishing Company

7. New Mark, Peter: A Text Book of Translation, Library of congress cataloguing in publication Data.

8. Sofer M. : The Translator's Handbook Schrieber Publication.

9. Nida, EV : The Theory and Practice of Translating Leiden Taber E.J. Bule

10. Bell, Roger D : Translation & Translator, Longmans Group Ltd. U.K.
11. Robinson, D. : Becoming a Translator, Routledge, U.K.& Robinson D. An Accelerant Course.
12. Frishberg N.J : Interpreting : An Introduction, Registry of Interpreters.

प्रश्नपत्र-चार पुनरीक्षण व संपादन 50 अंक 3 घंटे

(क) 20 अंक

1. पुनरीक्षण : तात्पर्य और विधियाँ
2. पुनरीक्षण के सिद्धांत
3. अनुवाद - भाषा का संरचनात्मक, सांस्कृतिक व प्रयोगात्मक स्वरूप, मानक वर्तनी व मानक भाषा -स्वरूप, आवश्यकता

(ख) 30 अंक

अँग्रेजी व हिंदी अनुवाद
(दो अवतरणों का) पुनरीक्षण व अनूदित पाठ का संपादन

सहायक ग्रंथ

1. रामचंद्र वर्मा : अच्छी हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हरदेव बाहरी : शुद्ध हिंदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3. देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. रामचंद्र वर्मा : शब्दार्थ दर्शन, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद
5. Sharma A : A Basic Grammar of Hindi Language, Central Hindi, Directorate, R.K. Puram, New Delhi.
6. Rainer N. : Echos of Translation : Reading between Texts, John Hopkins University Press, Baltimore, U.S.A
7. Biguenet, John : The Craft of Translation, Rainir Schulte (Editors) Chicago Guide to Writing, Editing & Publishing, University of Chicago Press, U.S.A

प्रश्नपत्र-पाँच अनुवाद मूल्यांकन व अनुवाद का 75 अंक 3 घंटे

व्यावसायिक परिदृश्य

(क) 40 अंक

1. अनुवाद मूल्यांकन की अवधारणा, पुनरीक्षण व मूल्यांकन में अंतर
2. अनुवाद मूल्यांकन के सिद्धांत
3. अनुवाद मूल्यांकन की विधियाँ

परियोजना कार्य के लिए आवश्यक निर्देश :

शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थी को दो परियोजना-कार्य प्रस्तुत करने होगें। पहले परियोजना कार्य की अवधि नवम्बर तक और दूसरी परियोजना की अवधि मार्च है।

प्रथम परियोजना कार्य के लिए निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होगा:

1. अँग्रेजी से हिंदी अथवा हिंदी से अँग्रेजी में अंतरण
2. सारानुवाद

द्वितीय परियोजना कार्य में निम्नलिखित विकल्पों में से किसी एक का चयन करना होगा:

1. पुनरीक्षण 2. मूल्यांकन 3. सम्पादन

प्रत्येक परियोजना के निम्नलिखित पाँच खण्ड होंगे।

क : परियोजना का क्षेत्र
ख : मूल परियोजना
ग : विवेचन/विश्लेषण
घ : उपलब्धि
ङ : उपकरण

प्रत्येक परियोजना में विविध खण्डों का विवरण परियोजना की भूमिका में अपेक्षित है। द्वितीय खंड मूल कार्य से संबंधित है। पाँचवा खण्ड परियोजना का परिशिष्ट होगा।

प्रथम परियोजना कार्य यह परियोजना भाषिक अन्तरण से संबद्ध है। इसमें अंग्रेज़ी-हिंदी पाठ का हिंदी/अँग्रेजी पाठ में अन्तरण अपेक्षित है। इस परियोजना के खण्ड है:

प्रथम खण्ड : परियोजना का क्षेत्र

इसमें परियोजना का उद्देश्य और अनुवाद संबंधी सैद्धान्तिक विवेचन है। इसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर विवेचन अपेक्षित है :

(क) मूल पाठ की विषय-वस्तु, पाठ की प्रकृति।
(ख) अनुवाद की अवधारणा, अन्तरण, पतिस्थापन, पुनर्लेखन।
(ग) अनुवाद की इकाई: पद, पदबंध, उपवाक्य, वाक्य, प्रोक्ति व पाठ।

द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना। स्रोत पाठ के प्रत्येक पृष्ठ और अनुच्छेद की संख्या लक्ष्य पाठ के संबद्ध स्थान/पृष्ठ के हाशिए पर निर्दिष्ट है।

तृतीय खण्ड : विवेचन/विश्लेषण

स्रोत पाठ के उन अंशों और अभिव्यक्तियों का विश्लेषण और लक्ष्यपाठ में उनके अन्तरण का निर्देश हो जहाँ-

(क) स्रोत पाठ की भाषिक संरचना के अन्तरण से लक्ष्य भाषा में स्वाभाविकता और बोधगम्यता है।

(ख) स्रोत पाठ में आए मुहावरों, लोकोक्तियों, विशिष्ट अभिव्यक्तियों, उद्धरणों, अन्तर्भाषिक पाठ आदि के कारण लक्ष्य भाषा में इनका समुचित प्रतिस्थापन/अन्तरण नहीं हो पा रहा है।

(ग) स्रोत पाठ में सांस्वछ्तिक-सामाजिक सन्दर्भों से जुड़ी अवधारणओं/अभिव्यक्तियों के अनुवाद की विधि, अनुवाद संबंधी टिप्पणी आदि का लक्ष्य पाठ में उल्लेख।

(घ) स्रोत पाठ को अद्यतन बनाने या नया रूप देने का लक्ष्य पाठ में प्रयास।

(ड़) स्रोत पाठ के सृजनात्मक/साहित्यिक अभिव्यक्ति के अन्तरण/पुनर्लेखन में सृजनात्मकता का प्रयोग।

(च) स्रोत पाठ के अनुवाद न किए जा सकने वाले अंश/अभिव्यक्ति जिनको लक्ष्य पाठ में छोड़ दिया है या नए ढ़ंग से समाहित किया गया है।

(छ) रूपान्तरण में स्रोत पाठ की विशेषताओं का विश्लेषण और लक्ष्य पाठ में उनके समायोजन का निर्देश।

उपर्युक्त सभी बिन्दुओं के विवेचन/विश्लेषण में स्रोत और लक्ष्य पाठों से पर्याय उदाहरण अपेक्षित हैं।

<u>चतुर्थ खण्ड</u>: उपलब्धि

स्रोत पाठ और लक्ष्य पाठ का 'समतुल्यता' के प्रतिमान की दृष्टि से उन अंशों, अभिव्यक्तियों का निर्देश जहाँ लक्ष्य पाठ में अनुवाद का स्तर गुणात्मक रूप से अधिक अच्छा बना है। प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ खण्डों का विवरण 'भूमिका' के रूप में देना होगा। द्वितीय सोपान मूल कार्य है। पंचम सोपान परिशिष्ट में होगा।

<u>पंचम खण्ड</u> : उपकरण

(क) कोशों का विवरण (कम से कम पाँच कोश : एक भाषी और द्विभाषीय शब्दार्थ कोश)

(ख) सहायक/संदर्भ ग्रंथ-सूची (यदि अपेक्षित है)

(ग) स्रोत पाठ के विशिष्ट पारिभाषिक/मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि के

साथ-साथ लक्ष्य पाठ में उनके लिए प्रयुक्त प्रति-अभिव्यक्तियाँ। (कम से कम पचास)

<u>द्वितीय परियोजना</u> : यह परियोजना लक्ष्य पाठ को अनुवाद मूल्यों के आधार पर देखने की है। इसमें स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ का पुनरीक्षण, मूल्यांकन और सम्पादन जैसी प्रक्रियाएँ निहित हैं।

इस परियोजना में दो विकल्प हैं।

विकल्प : एक : पुनरीक्षण परियोजना :

<u>प्रथम खण्ड</u> : इसमें निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार अपेक्षित है :

(क) स्रोत और लक्ष्य पाठ की विषय-वस्तु

(ख) पुनरीक्षण की अवधारणा और आवश्यकता

(ग) पुनरीक्षण की विधि

<u>द्वितीय खण्ड</u> : मूल परियोजना : स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ के एक से अंश जहाँ पुनरीक्षण अपेक्षित है।

(क) वर्तनी/व्याकरण/वाक्य-रचना आदि से सम्बद्ध त्रुटियों का अपेक्षित निर्देश। मूल स्रोत पाठ की पृष्ठ संख्या, पंक्ति संख्या और लक्ष्य पाठ में उससे संबद्ध पृष्ठ और पंक्ति संख्या का निर्देश पुनरीक्षण कार्य किए जाने वाले पृष्ठ के हाशिए पर हो।

(ख) स्रोत पाठ के ऐसे अंश जिनको लक्ष्य पाठ में छोड़ दिया गया है।

(ग) स्रोत पाठ के ऐसे अंश जिनमें लक्ष्य पाठ से सूचना/विचार/अभिव्यक्ति के स्तर पर अधिक परिवर्तन किया गया है।

तृतीय खण्ड : विवेचन विश्लेषण

स्रोत और लक्ष्य पाठों में समतुल्यता के आधार पर ऐसे अंशों का विवेचन/विश्लेषण अपेक्षित है जहाँ

(क) सम्प्रेष्य/बोध के स्तर पर अस्पष्टता है।

(ख) लक्ष्य पाठ की भाषिक संरचना दोषपूर्ण है।

(ग) लक्ष्य पाठ का अंश जहाँ स्रोत पाठ का अर्थ ठीक से अनुवादक ग्रहण न कर सका हो।

(घ) मुहावरों/लोकोक्तियों आदि के लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

(ड़) स्रोत पाठ में आए उद्धरण/अन्तरभाषिक पाठ आदि के लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

(च) स्रोत पाठ में आए सर्जनात्मक भाषिक प्रयोगों की लक्ष्य पाठ में अन्तरण।

चतुर्थ खण्ड : उपलब्धि

(क) लक्ष्य पाठ और स्रोत पाठ के भाषिक स्तर की तुलना।

(ख) लक्ष्य पाठ के संशोधित पाठ की गुणवत्ता अपेक्षित का ज्ञान।

अनुवाद में सहायक उपकरणों के प्रयोग

(क) कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि की सूची।

(ख) लक्ष्य पाठ में आए विशिष्ट भाषिक प्रयोग जिन पर मूल पाठ भाषा का प्रभाव है। (कम से कम 20)

(ग) लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुसार स्रोत भाषा से भिन्न अभिव्यक्तियाँ। (कम से कम 10)

विकल्प 2 : मूल्यांकन : परियोजना

स्रोत पाठ के आधार पर लक्ष्य पाठ में अनुवाद के स्तर की गुणवत्ता की जाँच इस परियोजना का लक्ष्य है। इसमें लक्ष्य पाठ की पाठधर्मिता का आंकलन करने के लिए निम्नलिखित सोपान है।

प्रथम खण्ड : निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार अपेक्षित है।

(क) स्रोत पाठ और लक्ष्य पाठों की विषय-वस्तु और पाठ की प्रकृति

(ख) मूल्यांकन की विधि और अनुवाद-मूल्य

(ग) मूल्यांकन की अवधारणा और आवश्यकता

द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना

लक्ष्य पाठ का मूल्यांकन, पाठधर्मिता और प्रभावधर्मिता की दृष्टि अपेक्षित हैं। इसके दो चरण होंगे। पहले चरण में लक्ष्य पाठ में आए वर्तनी, व्याकरण, भाषिक प्रयोग आदि के आधार पर लक्ष्य पाठ का संशोधन होगा। इसके लिए लक्ष्य पाठ के अपेक्षित अंशों का निर्देश और उनके संशोधित रूप का विवेचन करना होगा। साथ ही पाठधर्मिता के आधार पर लक्ष्य पाठ का मूल्यांकन अपेक्षित है।

तृतीय खण्ड : विवेचन/विश्लेषण

अनुवाद-मूल्यों के आधार पर तथा अनुवाद की विधि के आधार पर लक्ष्य पाठ की गुणवत्ता का निर्धारण अपेक्षित है।

चतुर्थ खण्ड : उपलब्धि

(क) लक्ष्य पाठ में अनुवाद मूल्यों की दृष्टि में आए ऐसे अंश जो स्रोत पाठ की तुलना में अधिक सक्षम हैं।

(ख) 'क' में दिखाए गए अंशों के अन्य वैकल्पिक पाठ जिनसे लक्ष्य पाठ की गुणवत्ता बढ़ सकती है।

पंचम खण्ड : परिशिष्ट

(अनुवाद में सहायक उपकरण) कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि का विवरण अपेक्षित है।

विकल्प 3 : सम्पादन

लक्ष्य पाठ को अन्य वैकल्पिक पाठ के रूप में प्रस्तुत करने की क्षमता का विकास इस परियोजना का उद्देश्य है। सम्पादन का काम इसलिए लक्ष्य पाठ का प्रति पाठ बनाना है। इस दृष्टि से इस परियोजना में पांच खण्ड होंगे।

प्रथम खण्ड :

स्रोत और लक्ष्य पाठों की विषय-वस्तु और पाठ की प्रकृति, सम्पादन की अवधारणा और आवश्यकता, सम्पादन की दृष्टि और विधि।

द्वितीय खण्ड : मूल परियोजना

(क) पाठधर्मिता के आधार पर सम्पादन, पाठधर्मिता की अपेक्षाएँ, लक्ष्य पाठ के सम्पादन की दृष्टि से अभीज्ट अंशों का निर्देश और उनके सम्पादित पाठ और सम्पादन का आधार सम्पादित पाठ।

(ख) अभीष्ट पाठक की दृष्टि से सम्पादन, अभीष्ट पाठक की अवधारणा और अपेक्षाएँ, लक्ष्य पाठ के ऐसे अंश जिनका सम्पादन अपेक्षित है, सम्पादन का आधार। सम्पादित पाठ।

तृतीय खण्ड : विवेचन/विश्लेषण

लक्ष्य और स्रोत पाठ के सन्दर्भ में अनूदित पाठ के सम्पादन और सम्पादित पाठ की पाठधर्मिता का विश्लेषण।

चतुर्थ खण्ड : सम्पादित पाठ की विशेषताएँ

पंचम खण्ड : परिशिष्ट

अनुवाद में सहायक उपकरण :
कोश, संदर्भ-ग्रंथ आदि का विवरण।
लक्ष्य पाठ से भिन्न सम्पादित पाठ में आई विशिष्ट भाषिक अभिव्यक्तियाँ (कम से कम 20) और
भाषाओं की प्रकृति के अनुसार सम्पादित पाठ और स्रोत भाषा की भिन्न अभिव्यक्तियाँ (कम से कम 10) होंगी।

प्रश्नपत्र-सात **सत्रीय परीक्षण** **50 अंक + 50 अंक**

मूल्यांकन और मौखिकी

(क) सत्रीय परीक्षण	25 अंक
(ख) आंतरिक मूल्यांकन (कक्षा कार्य के आधार पर)	25 अंक
(ग) मौखिकी	50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन विभाग द्वारा नियुक्त आंतरिक परीक्षकों द्वारा किया जाएगा तथा मौखिकी के लिए एक आंतरिक एवं एक बाह्यपरीक्षक होगा।

Note:

(a) The Project work must be presented duly bound in a proper manner and bear the Certificate of the Supervisor that the work has been done by the student himself.

(b) A student who fails to submit the project work within the prescribed time may be permitted to appear in the next annual examination as an ex-student provided he completes the project work in accordance with the requiste conditions and submits the same duly forwarded by his supervisor on or before the prescribed date of that year.

(c) A student who submits his project work duly forwarded by his supervisor and secures pass marks (40%) in written paper but fails or does not appear in ensuing examination shall be permitted to appear as an ex-student next year in paper I,II,III,IV,V. He will also have to appear in viva-voce afresh.

(d) The marks obtained by him in paper VII and marks in his previous sessional work internal assesment shall be taken into account for computing his result for that year.

(e) The Student will have to secure at least 40% marks in each written paper and 50% marks in sessional work and 50% marks in viva-voce separately to pass the examination.

6. हिन्दी भाषा-शिक्षण पाठ्यक्रम

HINDI TEACHING PROGRAMME

The Department runs **three courses** of one year each in Hindi Language for Foreigners and Non-Hindi Speaking Indian Students :

1. Certificate Course in Hindi
2. Diploma Course in Hindi
3. Advance Diploma Course in Hindi.

Admission Procedure

Application form can be had from the office of the Department by paying Rs. 75/- in cash (Room No. 14, Faculty of Arts, Main Campus) and should be submitted by 31st July every year.

Foreigner Students should send their applications through Foreign Student Advisor (F.S.A.) of Delhi University.

Minimum Qualification for Admission.

1. Certificate Course (i) Sr. Secondary/Class XII of equivalent examination (10+2)
2. Diploma (i) Certificate Course in Hindi, University of Delhi or equivalent thereof. In case the students has not passed any

Certificate/ Diploma examination in Hindi of any University he has to appear in the test. The Test will be conduct by the Department for this purpose.

3. Advance Diploma Course (iii) Diploma in Hindi or equivalent thereof. In case the student has not passed any Certificate/ Diploma exams. in Hindi of any university/ Institute the Department will hold a test for such student.

Interviews

All Students fulfilling the required qualifications will present themselves before and Admission Committee Constituted for this purpose by the Head of the Department.

Attendance

75% Attendance in classes necessary for the eligibility to appear in the annual examination.

Schedule of Examintaion

The schedule of Examination will be notified by the Head of the Department. Normally the examination are held in the last week of March every year.

Reading Programmes

The classes will commence w.e.f. the second week of August every year between 2.00 to 5.00 P.M.

Fee

Fee for Foreign Student	:	100 (Doller)
Admision Fee	:	Rs. 15.00
Enrolment Fee	:	Rs. 100.00
Tution Fee	:	Rs. 135.00/90.00

Athletics Fee	:	Rs. 5.00
Exams. Fee	:	Rs. 85.00/155.00
Marks Statement Fee	:	Rs. 10.00
University Development	:	Rs. 200.00

Language Exposure Programmes

The Department arranges visits study tour to any cultural/social functions for long exposure to the students. In or around Delhi.

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (एकवर्षीय)

CERTIFICATE COURSE (ONE YEAR)

प्रश्नपत्र-एक <u>वार्तालाप तथा देवनागरी लिपि</u>

पूर्णांक : 100 समय : 3 घंटे

(क) वार्तालाप (प्रारंभिक स्तर) अंक 60

1. परिचय
2. मेरा परिवार
3. मेरा दैनिक कार्यक्रम
4. रेस्तरां
5. दुकान में (सब्जी/फल की दुकान, नाई की दुकान, ड्राई क्लीनर्स)
6. टेलीफोन/मोबाइल पर बातचीत
7. डाकघर/बैंक
8. रेलवे स्टेशन/मैट्रो/यातायात के अन्य साधन
9. अस्पताल
10. चिड़ियाघर

(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

(ख) देवनागरी लिपि अंक 20

हिंदी वर्ण-व्यवस्था
हिंदी स्वर-व्यंजन
व्यंजन गुच्छ/संयुक्त व्यंजन
अनुस्वार, अनुनासिक
विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण
वर्ण लेखन विधि
हिंदी विराम चिह्न

(ग) हिंदी की आधारभूत शब्दावली अंक 20

सहायक ग्रंथ:

- देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
- Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, U.P
- Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
- English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
- Fairbanks, G & Mishra, B.G. : Spoken and written Hindi Cornell University Press, Ithaca, New York
- Fairbanks, G & Pandit, P.B. : A Spoken Approach, Deccan College, Pune
- Gumperz and Rumery : Conversational Hindi-Urdu, Radha Krishna Prakashan, Darya Ganj, New Delhi
- McGregor, R.S. : Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford , England.
- Verma, Vimlesh Kanti : Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publications, New Delhi

प्रश्नपत्र-दो व्यावहारिक व्याकरण तथा रचना

पूर्णांक-100 समय- 3 घण्टे

(क) हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण (प्रारंभिक स्तर) अंक 60

1. हिंदी संज्ञा शब्द- लिंग ज्ञान, वचन ज्ञान
2. सर्वनाम
3. विशेषण
4. क्रिया- क्रियार्थक संज्ञा, मूल क्रिया, संयुक्त क्रिया
   आज्ञार्थक, इच्छार्थक, प्रेरणार्थक रूप
   सकर्मक, अकर्मक क्रियाएँ, क्रियाओं का काल संबंधी ज्ञान
5. क्रियाविशेषण
6. योजक
7. विस्मयादि बोधक

कारक चिन्ह- संज्ञा व सर्वनाम के कारकीय रूप

पद विन्यास- पदक्रम व पद अन्विति

शब्द निर्माण- उपसर्ग व प्रत्यय ज्ञान

(ख) रचना अंक 40

(अ) पत्र लेखन (व्यक्तिगत), स्ववृत्त लेखन, किसी दृष्य का वर्णन

(आ) अध्ययन सामग्री के आधार पर वर्णन

(इ) मुहावरे व लोकोक्तियों का प्रयोग

सहायक ग्रंथ:

- Bahri, Hardeo; Learner's Hindi-English Dictionary, Rajpal & Sons, Kashmiri Gate, Delhi.
- Kellog, S.H. : A Grammar of Hindi Language, Kegan Paul, Trench Trubner & Co.Ltd., England

- Lutze, Lothar & Singh Bahadur, Hindi as a Second Languge, Patterns and Grammatical Notes, Radha Krishna Prakashan, Delhi.
- McGregor, R.S. : Outline of Hindi Grammar, Oxford University Press, Oxford , England.
- Sharma Aryendra : A basic Grammar of Hindi language, Central Hindi Directorate, R.K.Puram, New Delhi.

प्रश्नपत्र-तीन भारतीय संस्कृति व जन जीवन अंक 100

खण्ड-1

(क) भारत: देश व निवासी अंक 25

- **भारत देश, राजधनी, राज्य, महानगर व महत्त्वपूर्ण दर्शनीय स्थल**
- **भारतीय भाषाएँ**
- **प्रमुख हिंदी लेखक**
- **भारतीय पर्व, उत्सव और मेले**
- **भारतीय समाज**
- **प्रतिष्ठित भारतीय**
- **प्रमुख दर्शनीय स्थल**

(ख) भारतीय लोककथाएँ (दस लोककथाएँ) अंक 25

सहायक ग्रंथ:

- India 2006, Publications Divisions, Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India, Suchna Bhavan, C.G.O. Complex, New Delhi.
- Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publications, New Delhi.

खण्ड-2

मौखिकी परीक्षा अंक 50

1. **व्याकरण (शब्द रचना संबंधी प्रश्न)**
2. **भाषा और प्रयोग (भाषा का सामाजिक संदर्भ)**
3. **किसी घटना/स्थान का वर्णन**

श्रवण कौशल का ज्ञान- टेपांकित अंश को सुनाकर प्रश्न पूछना

एक वर्षीय हिंदी उपाधिपत्र पाठ्यक्रम
ONE YEAR DIPLOMA COURSE IN HINDI

प्रश्नपत्र-एक हिंदी वार्तालाप (माध्यमिक स्तर) व रचना

पूर्णांक 100 समय: 3 घंटे

खण्ड-1

वार्तालाप अंक 50

(क) हिंदी वार्तालाप (माध्यमिक स्तर)
(किसी नाटक/फिल्म के माध्यम से) संवादों को समझना
(ख) पारस्परिक वार्तालाप- विविध संदर्भ

खण्ड-2

रचना अंक 50

(क) कार्यालयी पत्र लेखन
(ख) रिपोर्ट लेखन
(ग) संवाद लेखन
(घ) निबंध लेखन
(ङ) भाषण

(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

सहायक ग्रंथ:

- Harris & Sharma: A Basic Hindi Reader, Cornell University Press, Ithaca, New York.

- Southworth: The Student's Hindi-Urdu Reference Manual, University of Arizona Press, Tucson.

प्रश्नपत्र-दो **व्यावहारिक व्याकरण (माध्यमिक स्तर) एवं हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा**

पूर्णांक 100 **समयः 3 घंटे**

खण्ड-1

(क) व्यवहारिक व्याकरण **अंक 50**

1. शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय,संधि और समास
2. शब्दार्थ ज्ञान - पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता, शब्दों की अर्थ छवियों का ज्ञान
3. क्रिया - काल एवं वृत्ति
4. वाच्य
5. वाक्य विश्लेषण - पद-क्रम, अन्विति, निकटस्थ अवयव
6. खण्ड्येतर स्वनिम - अनुनासिकता, दीर्घता, बलाघात्, संगम

(ख) हिंदी वर्तनी और उसका मानकीवृत रूप

(ग) भाषा का सामाजिक संदर्भ और विविध भाषा प्रयोग

(घ) पारिभाषिक शब्दावली एवं उसकी संरचना

सहायक ग्रंथः

- वर्मा, धीरेन्द्रः हिंदी भाषा और लिपि, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- वर्मा, धीरेन्द्रः ग्रामीण हिंदी, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- वर्मा, धीरेन्द्रः हिंदी साहित्य कोश भाग-1 एवं 2, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Bender, E: Hindi Grammar and Reader, Universtiy of Pensylvania Press, Philadelphia, U.S.
- Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi.

खण्ड-2

हिंदी साहित्य के इतिहास की रूपरेखा **अंक 50**

1. हिंदी-भौगोलिक क्षेत्र, भाषिक विकास, हिंदी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, हिंदी की संवैधानिक स्थिति, हिंदी की प्रमुख बोलियाँ व साहित्यिक रूपों का संक्षिप्त परिचय
2. हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन, प्रमुख हिंदी लेखक व उनकी कृतियों का संक्षिप्त परिचय
3. हिंदी की विविध साहित्यिक विधाएँ- काव्य, नाटक, उपन्यास, कहानी, रेखाचित्र, पत्र-लेखन

सहायक ग्रंथः

- Mc. Gregor, R.S. An outline of the History of Hindi Literature, S.S. Publication, Delhi.
- Mc. Gregor, R.S. Hindi Literature from its beginning to the 19th Century Wisebadan, Harassowitz.
- Keay, F.E. : A history of Hindi Literature Association Pree, Calcutta/Award Publishing, New Delhi.
- Dwivedi R.A. : A critical survey of Hindi Literature, Motilal Banarsidas, Delhi.

प्रश्नपत्र-तीन **हिंदी साहित्य व परियोजना-कार्य**

पूर्णांक 100 **समयः 3 घंटे**

(क) साहित्य का आस्वाद विविध संपावित रचनाओं का **अंक 50**

काव्य खंड (आधुनिक काव्य)

गद्य खंड (कहानियाँ, नाटक, एकांकी, डायरी, पत्र, यात्रावृत्त)

(सामाग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी)

(ख) परियोजना/सत्रीय कार्य **अंक 50**

(1) हिंदी समाचार पत्र- अध्ययन-विश्लेषण

विविध विषयों से संबंधित शब्दावली, प्रयुक्ति, वाक्य संरचना, परिवर्णी आदि का अध्ययन, अँग्रेजी हिंदी समाचार पत्रों में अंतर, प्रमुख हिंदी समाचार पत्रों का परिचय

(2) विज्ञापन में हिंदी- अध्ययन-विश्लेषण (मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिकी)

सहायक ग्रंथ:

- Masica,C. & Naim, C.M.: Hindi Newspaper Reader, University of Chicago Press, Chicago.
- Nilson Usha: Readings in Hindi Literature, Indian Languages and Area Centre, University of Wisconin. Wisconin
- Nilson Usha: Intermediate Hindi, Indian Languages and Area Centre, University of Wisconsin. Wisconsin.
- Zide, Norman, Masica, C. & Bahal, K.C.: Premchand Reader, East-west Center, University of Hawai, Honolulu.

एक वर्षीय हिंदी उच्चतर उपाधिपत्र पाठ्यक्रम
ONE YEAR ADVANCE DIPLOMA COURSE IN HINDI

प्रश्नपत्र- एक हिंदी वार्तालाप (उच्चतर स्तर) एंव
पूर्णांक 100 **समय: 3 घंटे**

हिंदी की भाज्ञिक संरचना

(अ) हिंदी वार्तालाप (उच्चतर स्तर) **अंक 50**

(क) वार्तालाप- विविध प्रसंग

1. रेडियो नाटक
2. टेलीविजन सीरियल/फिल्म/ संवाद/समाचार समझाना समझना
3. टेलीफोन
4. बाजार, रेस्टरां बस ट्रेन में

टेपांकित सामग्री और उसका विश्लेषण

(ख) भेंट-वार्ता एवं समाचार
(ग) हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ और अभिव्यक्तियाँ

(आ) हिंदी की भाषिक संरचना और भाषा-प्रयोग **अंक 50**

(i) व्याकरणिक प्रयोग एवं भाषिक विश्लेषण (गद्यांश/पद्यांश)
(ii) हिंदी की विविध प्रयुक्तियाँ, बोलचाल की हिंदी, साहित्यक हिंदी, विज्ञापन हिंदी, कार्यालयी हिंदी

सहायक ग्रंथ:

- बाहरी, हरदेव : बृहत् अंग्रेज़ी-शब्द कोश, खण्ड 1 एवं 2 ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Mc Gregor, R.S.: Oxford Hindi- English Dictionary, Oxford University Press, Oxford.
- Pattanayak, D.P. & Kurl.S. : Advance Hindi Reader, Deccan College, Poona.
- Verma, Vimlesh Kanti : Learner's Hindi- English Dictionary, Dreamlamd Publications, New Delhi.

प्रश्नपत्र-दो हिंदी साहित्य का अध्ययन
पूर्णांक 100 **समय: 3 घंटे**

हिंदी काव्य **अंक 50**

प्राचीन साहित्य- अमीर खुसरो, कबीर, तुलसी, सूर, मीरा, रसखान, बिहारी

आधुनिक साहित्य- भारतेंदु, प्रसाद, पंत, निराला, बच्चन, भवानी प्रसाद मिश्र, अज्ञेय आदि

(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

हिंदी गद्य **अंक 50**

प्रेमचंद तथा अन्य कहानीकारों की पांच कहानियों का अध्ययन-विश्लेषण
(सामग्री विभाग द्वारा तैयार की जाएगी।)

- वर्मा, धीरेन्द्र : हिंदी साहित्य कोश भाग 1 एवं 2, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
- Pandey S.M. & Zide, Norman : A Surdas Reader, South Asia Language and Area Center, University of Chicago, Chicago.
- Zide, Norman, Masica, C & Behal, K.C. : Premchand Reader, East-West Center Press, University of Hawai, Honolulu.
- Mc. Gregor, R.S. An outline of the History of Hindi Literature, S.S Publication, Delhi
- Mc. Gregor, R.S. Hindi Literature from its beginning to the 19th Century Wisebadon, Harassowiz.
- Keay, F.E.: A history of Hindi Literature, Association Press, Calcutta/Award Publication, New Delhi.
- Dwivedi R.A. : A critical survey of Hindi Literature, Motilal Banarsidas, Delhi.

प्रश्नपत्र-तीन **परियोजना कार्य**

पूर्णांक 100 **समयः 3 घंटे**

परियोजना कार्य : किन्हीं दो, विषयों पर परियोजना पर कार्य करना अनिवार्य है।

(क) हिंदी की किसी महत्वपूर्ण वृति के बारे में लघु निबंध लगभग 25 पृष्ठ

(ख) समाचार पत्रों से 500 शब्दों का चयन, वर्णक्रमानुसार, संयोजन और उनकी अर्थछवियों का वाक्य प्रयोग देकर लघुकोश निर्माण करना।

(ग) सात हिंदी विज्ञापनों का चयन एवं विश्लेषण

(घ) किन्हीं पाँच उत्पादों की विज्ञापन-प्रस्तुति

(ड़) अपनी भाषा की किसी लघु रचना का हिंदी में अनुवाद (मूल पाठ के साथ)

लगभग 20 पृष्ठ

सहायक ग्रंथः

- Chandola, Anoop : A Systematic Translation of Hindi-Urdu into English, University of Arizona Press, Tucson, U.S.A.

प्रश्नपत्र-चार **भारतीय संस्कृति**

पूर्णांक 100 **समयः 3 घंटे**

(क) भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता **अंक 50**

1. भारत का संक्षिप्त इतिहास
2. भारतीय दर्शन
3. भारतीय चिंतन एवं आचार्य
4. भारतीय भाषाओं का सामान्य परिचय
5. भारतीय कलाएँ संगीत, नृत्य, वास्तु, स्थापत्य (सामान्य परिचय)
6. भारतीय वेशभूषा
7. भारतीय भोजन
8. भारतीय वाङ्मय के प्रमुख ग्रंथ
9. प्रमुख ऐतिहासिक स्थल

(ख) मौखिकी **अंक 50**

भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता विषयक विविध प्रश्नों के मौखिक उत्तर

सहायक ग्रंथः

Paper-IV

- India 2006, Publication Division Ministry of Information and Broadcasting, Govt. of India Suchana Bhavan, New Delhi.

Ph.D. programme. Those departments where M.Phil. is a pre-requisite for Ph.D. admissions will not be able to avail of this scheme.

12/ In approving on 06.07.2008, the recommendations made by various Committee of Courses and Studies in respect of appointment of paper setters & examiners for post-graduate/ under-graduate courses examinations held in 2008:

1. Commerce
2. Economics
3. Geography
4. Sociology
5. M.I.L.
6. Music
7. Sanskrit
8. Persian
9. Arabic
10. Political Science
11. All India Entrance Scholarship Exam.
12. Foundation Courses/Application Courses
13. English
14. Hindi
15. Punjabi
16. Urdu
17. History
18. Philosophy
19. Psychology
20. Library Science
21. Education
22. Law

13/ In approving on 09.08.2008, the recommendations made by various Committee of Courses and Studies in respect of appointment of Paper Setter & Examiners for Post-Graduate/Under-Graduate Courses Examinations held in 2007-2008:

1. Physics
2. Chemistry
3. Botany
4. Zoology
5. Agrochemical & Pest Management
6. Anthropology
7. Bio-Chemistry (SDC)
8. Microbiology (SDC)

9. Electronics (SDC)
10. Environmental Science
11. Buddhist Studies
12. Linguistics
13. Slavonic & Finno Ugrain Studies
14. Geology
15. Management Studies
16. Social Work
17. Mathematics
18. Germanic & Diploma
19. Statistics
20. Computer Science
21. Operational Research
22. Chinese & Japanese Studies
23. Home Science
24. Adult Education
25. Dr. B.R. Ambedkar Centre for Biomedical Research
26. Environmental Biology
27. Delhi College of Engineering
28. Environment Studies
29. Commerce
30. Economics
31. Psychology
32. English
33. Hindi
34. History
35. Education

14/ In approving on 14.08.2008, the recommendations of the Inspection Committee regarding grant of permanent affiliation to Durgabai Deshmukh College of Special Education (Visual Impairment) with Delhi University to conduct B.Ed. (Special Education for Visually Impaired) course. (vide **Appendix-V**)

Further resolved that the consequential amendments/ additions/ modifications, if any, be made in the Ordinances.

15/ In approving the recommendations of the M.Phil. Committees of the following Departments for appointment of Internal/External Examiners for conduct of Practical Examination/Valuation of Dissertations submitted by the students of the M.Phil.